04 - 121 सीटों पर बिहार सियासत की पहली परीक्षा

05 - कालिदास की कविता भारतीय संस्कृति की दीपशिखा है

06 - बैकुंठ चतुर्दशी: त्रिमूर्ति नगर में शिव-विष्णु का अलौकिक 'हरिहर ...

07 - विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया ...

A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 06 नवम्बर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 45, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पाक ने अफगानों को महाशक्तियों को हराने में मदद की, खुद उनसे हार गया

ले.जन. एच.एस.पनाग (रि)

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के भारत दौरे के बाद भारत ने जबकि काबुल में अपना दूतावास फिर से खोल दिया है, पाकिस्तान उससे जंग में उलझा है। इस विरोधाभास की अनदेखी नहीं की जा सकती है। 1979 से 2021 के बीच बीते 42 वर्षों में अफगानों ने पाकिस्तान की मदद के बूते अमेरिका और सोवियत संघ सरीखी महाशक्तियों को परास्त किया। पाकिस्तान ने कल्पना की थी कि अफगानिस्तान को अपने मातहत रखकर वह अपनी रणनीति को 'गहराई' दे देगा और अपने पुराने दुश्मन भारत के खिलाफ अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति को आगे बढ़ाने के लिए उसे एक औज़ार के रूप में इस्तेमाल करेगा।

लेकिन पाकिस्तान अफगानों की उग्र स्वतंत्र मानसिकता और पख्तून राष्ट्रवाद की दृढ़ता को समझने में नाकाम रहा। यह राष्ट्रवाद 1747 में अफगानिस्तान की स्थापना के साथ ही उसकी सियासत पर हावी रहा है। ब्रिटेन ने 'पख्तून राष्ट्र' को 1893 में रक्तरंजित डूरंड रेखा के साथ बनावटी ढंग से बांट दिया था लेकिन अफगानिस्तान ने इस सीमा रेखा को कभी कबूल नहीं किया। भारत पर हमला करने वाले सभी हमलावर या तो अफगानिस्तान में जनमे या उसके रास्ते आए। अहमद शाह अब्दाली के नाम से मशहूर अहमद शाह दुर्रानी ने एक राष्ट्र-राज्य के रूप में अफगानिस्तान की स्थापना करने के एक साल बाद ही, 1748 में भारत पर हमला कर दिया। दुर्रानी 1739 में भारत पर हमला करने वाले नादिर शाह का अमला था और वह इस उपमहादेश की समृद्धि और कमजोर पड़ते मुगल सल्तनत की कमजोरियों से वाकिफ था।

इसके बाद के 50 साल पंजाब के सबसे उथलपुथल भरे, रक्तरंजित साल रहे। अफगान, सिख, मराठा और मुगल सल्तनत के बचे-खुचे तत्व सत्ता के लिए आपस में लड़ते रहे। अफगान और मराठा तो अपनी आधारभूमि से दूर जाकर लड़ रहे थे और सबसे ताकतवर होने के बावजूद स्थायी साम्राज्य स्थापित नहीं कर सके। केवल सिख छापामार लड़ाई और घमासान युद्ध करके डटे रहे।

दुर्रानी ने 19 साल के अंदर भारत पर आठ बार हमले किए, उसके वारिसों ने 1799 में सिख साम्राज्य के उभार तक हमले जारी रखे। इस सिख साम्राज्य की सीमा आज के अफगानिस्तान तक फैली हुई थी और वह जलालाबाद में खैबर दर्रे के पार भी अपना दबदबा रखता था। उस दौर का माहौल इस कहावत से जाहिर है–'खाधा पीटा लाहे दा, बाकी अहमद शाहे दा।'

अंग्रेजों को खालसा राज विरासत में मिला और एक सदी तक वे अफगानों और डूरंड रेखा के पूरब में पख्तूनों से लड़ते रहे। इस खूनखराबे के बावजूद भारत की आजादी के बाद अफगानों और भारतीयों के बीच एक अनूठा सांस्कृतिक और यथार्थपरक राजनीतिक रिश्ता बन गया। 1995 से 2001 तक तालिबानी शासन के पहले कार्यकाल को छोड़ भारत-अफगानिस्तान संबंध आज तक मजबूत ही होते गए हैं।

सरहिंद वह स्थान है जहां सिखों ने 1758, 1762 और 1764 में न केवल अफगानों बल्कि इस शहर के खिलाफ तीन लड़ाई लड़ी थी। सरहिंद को ज़मींदोज़ कर दिया गया था। । मुगल काल में सरहिंद सरकार का राज यमुना-सतलुज दोआबे पर था। लाहौर के बाद यह पंजाब का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण शहर था। सरहिंद में ही हुमायूं ने 1555 में शेरशाह सूरी को हराकर मुगल सल्तनत को फिर से बहाल किया था। 1739 में नादिर शाह के हाथों अपने अवाम को हारने और उसे दिल्ली का खजाना सौंपने वाले मुगल बादशाह मुहम्मद शाह 'रंगीला (1719-1748) ने दुर्रानी को परास्त करने में उल्लेखनीय साहस और संगठन कौशल का प्रदर्शन किया। सरहिंद को मिटा डालने का सिखों ने जो संकल्प लिया था उसका पहला प्रयास 1710 में बंदा सिंह बहादुर ने किया। उन्होंने 10 मई 1710 को छप्पर चिरी (आज के मोहाली) में सरहिंद के नवाब को हराया, इसके दो दिन बाद सरहिंद को जीता और उसे फतेहगढ़ नाम दे दिया। लेकिन दिल्ली से शाही फौज आ गई और सरहिंद को ढहाने का फैसला रद्द कर दिया गया। बंदा बहादुर पहाड़ियों में जा छिपे लेकिन उन्हें आखिरकार 1716 में उन्हें गिरफ्तार कर यातनाएं देकर मार डाला गया। इसके बाद 30 साल तक सिखों ने विकट संघर्ष जारी रखा और मुगलों द्वारा क्रूर यातनाएं दिए जाने के बावजूद छापामार लड़ाई में महारत हासिल की। मुगलों या बाद में अफगानों ने विशाल फौज बनाई। 1756-57 के बीच दुर्रानी ने चौथी बार हमला किया और दिल्ली पर कब्जा करके उसे लूटा लेकिन सरहिंद और लाहौर के अपने अफगान सूबेदारों के जरिए पंजाब पर परोक्ष रूप से शासन किया। उसके जाने के बाद मराठों ने पंजाब में पैर रखे और 1758 में दल खालसा (सिख मिस्लों की संयुक्त फौज) और बिस्ट (ब्यास-सतलुज) दोआब के अस्थिर मुगल सूबेदार आदिना बेग से हाथ मिलाए। मराठो ने अफगान सूबेदार अब्दुस्समद खान को हरा कर 21 मार्च 1758 को सरहिंद पर कब्जा कर लिया। हालांकि उनका ज़ोर सूबेदारों के जरिए राजस्व उगाही पर था।

अक्तूबर 1759 में दुर्रानी वापस आया और 14 जनवरी 1761 को मराठों पर पानीपत में मुक्तिदायी प्रहार किया। दुर्रानी जब लाहौर लौट गया तब खालसा सेना ने 10 अप्रैल 1762 को अफगान सूबेदार ज़ैन खान से सरहिंद को वापस छीन लिया। जनवरी 1764 में जस्सा सिंह अहलुवालिया के नेतृत्व में संयुक्त खालसा ने एक बार फिर सरहिंद पर कब्जा कर उसे मलबे में तब्दील कर ि?दया। दुर्रानी के पोते ज़मान शाह दुर्रानी ने 1793 से 1801 तक आठ साल राज किया और भारत पर अंतिम अफगान हमले की कोशिश का नेतृत्व किया। उसके सौतेले भाई महमूद शाह ने उसे गद्दी से हटाकर अंधा बना कर कैद कर लिया। उसके दूसरे भाई शुजाह शाह दुर्रानी ने 1809 तक राज किया, और महमूद शाह दुर्रानी ने उसका तख्ता फिर पलट दिया। दोनों नेत्रहीन ज़मान शाह और शुजाह शाह दुर्रानी ने लाहौर में महाराजा रणजीत सिंह से शरण मांगी। शुजाह को इसके लिए मशहूर कोहिनूर हीरे के रूप में कीमत अदा करनी पड़ी। इस हीरे को उसके दादा अहमद शाह दुर्रानी ने नादिर शाह की मौत के बाद अपने कब्जे में ले लिया था। अंततः, ज़मान शाह और शुजाह शाह लुधियाना में ब्रिटिश सरकार के पेंशनभोगी बने।

शुजाह की उद्यमशील बीवी वफा बेगम ने अंग्रेजों को इस बात के लिए राजी किया कि वे उसके खाविंद को अफगानिस्तान का ताज फिर से हासिल करने में मदद करें। एक 'बड़े खेल' में शामिल होने को उत्सुक अंग्रेजों ने उसे उपकृत किया और 1839 में पहला एंग्लो-अफगान युद्ध शुरू कर शुजाह को फिर से गद्दीनशीन किया। भारत-अफगानिस्तान के 277 साल पुराने संबंध के इतिहास के मद्देनजर आज जो यथार्थफरक राजनीति चल रही है वह कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

नानक नाम जहाज है, चढ़े सो उतरे पार...

गुरु नानक जी का उपदेश मानवता की सेवा का है सर्वोच्च मार्ग : मुख्यमंत्री

सीएम ने गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारा में टेका मत्था, सबके कल्याण की कामना की

मुख्यमंत्री ने की घोषणा - गुरु तेगबहादुर जी का 350वां जयंती वर्ष और शहीदी दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा

भोपाल (नप्र)। नानक नाम जहाज है, चढ़े सो उतरे पार...मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को गुर नानक जयंती के अवसर पर अरेरा कॉलोनी स्थित प्रसिद्ध गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका। शबद कीर्तन (गुरुवाणी) का श्रवण किया और सभी देशवासियों को गुरुपरब की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने वाहेगुरु जी से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं सबके कल्याण की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु नानक देव जी सामाजिक एकता, सद्भावना और सेवा भाव की मिसाल थे। उन्होंने मानवता की सेवा और सबके प्रति समानता का भाव रखने का जो संदेश दिया है, वह आज भी सर्व समाज के लिए प्रकाशपुंज है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक जी का जीवन सत्य, करुणा और परोपकार का प्रतीक है। उनका जीवन संदेश समय की सीमाओं से भी परे है और मानवता की सेवा के लिए हमेशा प्रेरणा-स्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाजजनों की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि म.प्र. सरकार गुरु तेग बहादुर जी का 350वां जयंती वर्ष और शहीदी दिवस समाज की मंशा अनुसार धूमधाम से मनायेगी। मध्यप्रदेश सरकार सत्य के मार्ग पर चलने वाले गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान लिए हर जरूरी प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री गुरू नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के अवसर पर सभी को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरू नानक देव जी साक्षात ईश्वर समान थे, उन्होंने संसार को मानवता, सेवा और कीर्तन की शिक्षा और सिख धर्म की स्थापना की। उन्होंने भारत में पदयात्रा तो की ही, यहां से बाहर निकलकर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और अरब तक सिख धर्म का प्रकाश पहुंचाया। उस दौर में अरब में गुरू नानक देव जी का जो भाव था, वो बाबर के सामने भी रहा। हम सभी ओंमकार रूपी ध्वनि से सचेतन रहें। जातिगत भेदभाव को दूर करते हुए एक संगत में रहें। समाज में दूरियों को मिटाने के लिए किसी भी दिखावे की जरूरत नहीं है। मनुष्य, मनुष्य के काम आए और अन्याय के खिलाफ लड़ें। अफगानी, मुगल और अंग्रेजों के सामने गुरूजी के मार्ग पर चलते हुए हमारे वीरों ने अपना बलिदान तक कर दिया। उन्होंने कहा कि कार्तिक मास की पूर्णिमा पर प्रकाश पर्व अद्भुत है। गुरू नानक देव जी द्वारा सेवा और देश भक्ति के लिए दिया संदेश सभी के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु नानक देव जी की अमरवाणी हमें सिखाती है कि सच्चे अर्थों में धर्म वही है जो सबके हित में हो। हमारी सरकार भी गुरुनानक जी की उसी नेक भावना के अनुरूप जनकल्याण और सबके समुत्थान की राह पर अग्रसर है।

किसानों का हित सर्वोपरि, हर हाल में मिलेगी10 घंटे निर्बाध बिजली: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ऐसे आदेश देने वाले रोकने वाले चीफ इंजीनियर को हटाया, उल्टे-सीधे आदेश निकालने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी,

भोपाल (नप्र) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अन्नदाता (किसानों) का हित हमारे लिए सर्वोपरि है । किसानों के कल्याण के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है । किसानों को हर हाल में 10 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की जाएगी ।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को जारी संदेश में यह बात कही ।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस सर्क्यूलर को लेकर जनसामान्य में गलतफहमी पैदा हुई है, उस विवादित सर्क्यूलर को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है । साथ ही विवादित सर्क्यूलर मामले से जुड़े संबंधित चीफ इंजीनियर को भी तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश में संवेदनशील और किसान हितैषी सरकार काबिज है । किसानों के समग्र उत्थान के लिए हमारी सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली आपूर्ति से संबंधित विवादित सर्क्यूलर को रद्द कर दिया गया है और इसे जारी करने वाले संबंधित अधिकारी पर भी विधि अनुरूप कार्रवाई की जा रही है ।

चलते ट्राला में पीछे से घुसी बाइक 4 की मौत

जबलपुर की ओर जा रहा था ट्रक, ड्राइवर फरार

डिंडौरी (नप्र)। डिंडौरी में एक बाइक आगे चल रहे ट्राला में घुस गई। इस हादसे में बाइक सवार 4 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 3 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 14 साल की एक नाबालिग की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

ये हादसा बुधवार दोपहर करीब 3.30 बजे शहपुरा थाना क्षेत्र के कोहानी देवरी के पास जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर पास हुआ।

पुलिस के अनुसार- एक ट्राला शहपुरा से जबलपुर की ओर जा रहा था। पीछे से आ रही बाइक पर चार लोग सवार थे। जो ट्राले से टकरा गए।थाना प्रभारी अनुराग जामदार ने बताया कि ट्राले का ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। अभी मृतकों की पहचान और अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

शरद की सुबह

अगर कोई चित्रकार या कवि

तुमसे प्रेम कर बैठे
तो समझ लो, तुम कभी मिट नहीं सकते।
क्योंकि वो तुम्हें केवल देखता नहीं,
तुम्हें अपनी रचना में अमर कर देता है।
तुम उसके हर शब्द में, हर रंग में,
हर धड़कन और हर सांस में बस जाते हो।
वो तुम्हारी मुस्कान को कविता बना देता है,
तुम्हारी आँखों को अपने कैनवास पर उकेर देता है।
और जब वो दुनिया से चला भी जाए,
उसकी लिखी पंक्तियाँ,
उसके रंगों में बसा तुम्हारा चेहरा
ज़िंदा रहता है — हमेशा।
एक कलाकार या कवि का प्रेम
कभी क्षणिक नहीं होता।
वो तुम्हें ऐसा अमर बना देता है
कि वक़्त भी तुम्हें भुला नहीं पाता।

रूना बनर्जी

कार्तिक स्नान के लिए गंगा घाट जा रही महिलाएं ट्रेन से कटीं

- यूपी के मिर्जापुर में हुआ दर्दनाक हादसा, 6 महिलाओं की मौत

ट्रैक पार करते समय हादसा, चुनार रेलवे स्टेशन की घटना

मिर्जापुर/चुनार (एजेंसी)। यूपी के मिर्जापुर में बुधवार को कालका एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर 6 महिलाओं की मौत हो गई। इनमें दो बहनें हैं। हादसा सुबह 9.30 बजे चुनार रेलवे स्टेशन पर हुआ। चोपन से पैसेंजर ट्रेन चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर पहुंची थी। भीड़ अधिक होने की वजह से कुछ श्रद्धालु प्लेटफॉर्म पर न उतरकर दूसरी तरफ ट्रैक पर उतर गए। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर कालका एक्सप्रेस आ रही थी। अचानक ट्रेन आते ही यात्री घबरा गए। पुरुष तेजी से प्लेटफॉर्म पर चढ़ गए, जबकि महिलाएं नहीं चढ़ पाईं और ट्रेन की चपेट में आ गईं। उनके शवों के टुकड़े करीब 50 मीटर तक ट्रैक पर बिखर गए। शवों को बैग में भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रेलवे अफसरों ने बताया कि कालका एक्सप्रेस का चुनार में स्टॉपेज नहीं है, इसलिए ट्रेन की स्पीड तेज थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के कारण स्टेशन पर भारी भीड़ थी। हादसा इतनी तेजी से हुआ कि किसी को समझने का मौका ही नहीं मिला। जब ट्रेन गुजर गई, तब ट्रैक पर लाशें बिखरी नजर आईं। कार्तिक पूर्णिमा के चलते स्टेशन पर भीड़ थी, इसके बावजूद प्लेटफॉर्म से ट्रेन को धीमी गति में नहीं गुजारा गया। गंगा घाट रेलवे स्टेशन से सिर्फ 2-3 किमी दूर है।

वोटिंग से ठीक पहले बिहार में एनडीए को झटका

- बीजेपी विधायक ने थामा आरजेडी का दामन

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को एक बड़ा झटका लगा है। भागलपुर जिले की पीरपैंती विधानसभा सीट से निवर्तमान विधायक ललन कुमार ने बीजेपी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। ललन कुमार ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर आरजेडी का दामन थाम लिया। उन्हें राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से भी मुलाकात की। ललन कुमार की इस दल-बदल का मुख्य कारण टिकट कटना है।

पीएम मोदी से मिली महिला चैंपियन टीम

वर्ल्ड कप जीतने के बाद की मुलाकात, व्हीलचेयर पर पहुंचीं प्रतिका रावल

नई दिल्ली (एजेंसी) पहली बार विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय महिला टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। टीम की खिलाड़ियों ने पीएम मोदी को स्पेशल जर्सी गिफ्ट की, जिसमें सभी खिलाड़ियों ने साइन किए थे। भारतीय टीम के साथ बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और कोच अमोल मजूमदार भी मौजूद रहे। बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल होने वाली प्रतिका रावल व्हीलचेयर पर दिखीं।टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम के सदस्यों ने प्रधानमंत्री से मिलकर अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से इस मुलाकात के लिए दो दिन पहले ही औपचारिक निमंत्रण मिला था। यह ऐतिहासिक जीत रविवार को नवी मुंबई में हुई, जहां हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम में 'वुमेन इन ब्लू' ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह अभूतपूर्व सम्मान हासिल किया।

व्हीलचेयर से मिलने पहुंची प्रतिका रावल- इस मुलाकात के दौरान, टीम की खिलाड़ी, जिन्होंने विश्व कप में भारत को जीत दिलाई प्रधानमंत्री से मिलीं। खास बात यह रही कि खिलाड़ी प्रतिकी रावल भी इस मुलाकात में शामिल हुईं। प्रतिका को सेमीफाइनल से ठीक पहले टखने और घुटने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। वह व्हीलचेयर पर बैठकर प्रधानमंत्री से मिलने पहुंचीं। यह भारत का पहला महिला विश्व कप खिताब है। इससे पहले, भारतीय टीम चार बार फाइनल में पहुंची थी लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाई थी। 2005 और 2017 में वनडे विश्व कप फाइनल में उन्हें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2020 के टी-20 विश्व कप फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें हराया था। यह जीत इन सभी पिछली हारों पर एक बड़ी जीत है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30 °c
न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 06 नवंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

भोपाल-इंदौर स्टेट हाईवे पर 31 करोड़ से बनेगा फ्लाइओवर

11 मील खजूरी जंक्शन पर सिक्सलेन होगा ब्रिज, विस अध्यक्ष-विधायक ने भूमिपूजन किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल-इंदौर स्टेट हाईवे स्थित 11 मील खजूरी जंक्शन पर सिक्सलेन फ्लाइओवर बनेगा। बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने फ्लाइओवर के लिए भूमिपूजन किया। उज्जैन में सिंहस्थ के दौरान यह फ्लाइओवर ट्रैफिक और क्राइड मेनेजमेंट में काफी मददगार साबित होगा।

31 करोड़ रुपए से फ्लाइओवर बनेगी, जिसकी कुल लंबाई 850 मीटर रहेगी। मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) इसे बनाएगा। भोपाल-इंदौर स्टेट हाईवे भी एमपीआरडीसी ने ही बनाया था।

बायपास जंक्शन पर जाम से मिलेगी राहत- विधायक शर्मा ने बताया कि इस फ्लाइओवर के निर्माण से इंदौर-भोपाल हाईवे और भोपाल बायपास जंक्शन पर लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी। वहीं, आने वाले सिंहस्थ में बढ़ने वाले ट्रैफिक के दवाब को भी यह सिक्सलेन फ्लाइओवर कंट्रोल करेगा।

विस अध्यक्ष बोले-ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास कार्य- भूमिपूजन कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि विधायक रामेश्वर शर्मा के नेतृत्व में हुजूर विधानसभा में विकास के बलबूते पर ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहर की तरह विकास हो रहे हैं। बता दें कि हुजूर विधानसभा में पिछले 5 दिन में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों का भूमिपूजन हो चुका है। इनमें कोलार रोड स्थित मंदाकिनी चौराहा से दानिशकुंज चौराहा तक फोरलेन निर्माण, सूखी सेवनिया में सिक्सलेन फ्लाइओवर भी शामिल हैं।

उज्जैन सिंहस्थ से पहले बनेगा- उज्जैन में साल 2028 में सिंहस्थ है। इससे पहले फ्लाइओवर को बनाने का टारगेट है। ताकि, लाखों राहगीरों को दिक्कतें न हो। एमपीआरडीसी को 18 महीने के अंदर फ्लाइओवर बनाना है। सर्विस रोड एवं फ्लाइओवर के ऊपर लाइट भी लगाई जाएगी।

जबलपुर में पिकनिक मनाने गई 2 छात्राओं की मौत

भदभदा स्पॉट पर डूबने से हुआ हादसा, दोस्त डरकर सीधे घर आ गए, जानकारी नहीं दी

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में नौवीं कक्षा की दो छात्राएं पिकनिक के दौरान पानी में डूब गईं, जिससे उनकी मौत हो गई। चार छात्राएं मंगलवार को स्कूल जाने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन वे सीधे भदभदा पिकनिक स्पॉट चली गईं। पुलिस के अनुसार, चारों छात्राओं में श्रुति यादव, देवांशी कोरी, प्रतिज्ञा ठाकुर और आयुषी सोनवारे शामिल थीं। वह केंद्रीय विद्यालय खमरिया की छात्राएं है। शाम के समय जब वे फॉल के पास घूम रही थीं, तभी श्रुति और देवांशी का अचानक पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में जा गिरीं। प्रतिज्ञा और आयुषी उस समय पास ही दूसरे स्थान पर घूम रही थीं और उन्हें इस हादसे की जानकारी नहीं हुई।

जब दोनों सहेलियां काफी देर तक नहीं दिखीं तो प्रतिज्ञा और आयुषी डर के कारण बिना बताए घर लौट आईं। देर शाम तक जब श्रुति और देवांशी घर नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। सहेलियों से पूछताछ करने पर पता चला कि चारों भदभदा पिकनिक स्पॉट गई थीं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना को मिली ज्यादा आजादी

● आर्मी चीफ बोले-आज कोई भी देश अकेले सुरक्षित नहीं

जनरल द्विवेदी ने कहा-साझा इनोवेशन ही सुरक्षा कवच है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि आज दुनिया में कई तरह के खतरे हैं और ये तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में कोई भी देश अकेले सुरक्षित नहीं रह सकता। अब सबको मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा- रक्षा क्षेत्र में मिलजुलकर की गई खोज (इनोवेशन) ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। जनरल द्विवेदी मंगलवार को दिल्ली में हुए 'इंडिया डिफेंस कॉन्क्लेव 2025' में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ और उद्योग जगत के लोग शामिल हुए। इस

दौरान आर्मी चीफ ने कहा- सेना अब ड्रोन युद्ध, क्वांटम टेक्नोलॉजी, 6जी और स्पेस मिशन जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है।

जंग विचारों को ताकत में बदलने की क्षमता पर निर्भर करेगी

आने वाले समय में युद्ध किसी एक तरीके या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य की जंग इस बात पर निर्भर करेगी कि हम अपने विचारों को कितनी जल्दी असली ताकत और क्षमता में बदल पाते हैं। विचार से क्षमता तक पहुंचने का मतलब है कि निर्भरता से आत्मनिर्भरता और फिर आत्मनिर्भरता से शक्ति हासिल करना। भविष्य में होने वाली लड़ाई में मशीनें और टेक्नोलॉजी का बड़ा रोल होगा।

● **हम अपने दम पर भी मजबूत हो रहे-** भारत ने कई आधुनिक हथियार बनाए हैं, जैसे आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, तोप और जोरावर लाइट टैंक। ये उदाहरण बताते हैं कि भारत अब रक्षा के क्षेत्र में अपने दम पर मजबूत हो रहा है। अब बेशक लड़ने का तरीका बदल गया है और अब झगड़े सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहते। लेकिन चाहे युद्ध जैसा भी हो, अंत में जमीन ही जीत का असली पैमाना होती है, यही असली सफलता तय करती है। इस दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना ने कई अहम बातें सीखी हैं, जिन्हें नई थिएटर कमान व्यवस्था में शामिल किया जाएगा।

ब्लेड से पत्नी की नाक काटकर की अलग

झाबुआ में पति ने डंडे से पीटा, खुद ले गया अस्पताल, दूसरे से बात करने पर की पिटाई

झाबुआ (नप्र)। झाबुआ में एक युवक ने अपनी पत्नी की ब्लेड से नाक काट दी। उसे डंडे से पीटा। ब्लेड के हमले से महिला की नाक का हिस्सा कटकर अलग हो गया। इसके बाद वह खुद उसे अस्पताल लेकर पहुंच गया। उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

घटना रानापुर के पाड़लवा गांव में मंगलवार शाम की है। राकेश (23) और उसकी पत्नी गीता बाई (22) मजदूरी करने गुजरात के संतरामपुर गए थे। मंगलवार को ही गांव लौटै थे। पत्नी दूसरे से बात करती थी, यह बात उसे पसंद नहीं थी।

कहा तलाक दूंगा, इसके बाद पीटने लगा- पीड़ित महिला ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 4-30 बजे पति नशे

में धुत होकर घर आए। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। पति ने रास्ते में कहा कि घर चलो, सबको बुलाएंगे। तुम्हें तलाक देंगे। घर पहुंचते ही मारपीट शुरू कर दी। कहीं से ब्लेड लाया और मेरी नाक काट दी। हाथ पर भी ब्लेड मारे। डंडे से भी पीटा।

पति ने दूसरे से बात करने से किया था मना- गीता ने बताया कि मैं किसी दूसरे युवक से बात करती थी। हालांकि पति ने मना भी किया था। इसी बात से वह नाराज था। बाद में मैंने भी कह दिया कि मुझे भी तुम्हारे साथ नहीं रहना।

पुलिस बोली- नाक का कटा हिस्सा नहीं मिला- एएसपी प्रतिपाल सिंह महोबिया ने बताया कि रात करीब 10 बजे घटना की सूचना मिली थी। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। आरोपी राकेश पिता डोंगर सिंह बिलवाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस को नाक का कटा हुआ हिस्सा नहीं मिला है।

बिहार चुनाव -आज होगा प्रथम चरण में 121 सीटों पर मतदान

सम्राट-विजय, तेजस्वी और मैथिली-खेसारी जैसे चर्चित चेहरे मैदान में

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान गुरुवार को होगा। इस चरण में प्रदेश के 121 सीटों के 3.75 करोड़ से अधिक मतदाता 1314 उम्मीदवारों के राजनीतिक भविष्य को तय करेंगे। इस चरण में कई दिग्गजों की किस्मत का फैसला भी मतदाता तय करेंगे जो चुनावी समर में ताल ठोक रहे हैं। एनडीए के 121 तो महागठबंधन के 126 उम्मीदवार मैदान में- पहले चरण चुनाव में जिन 121 सीटों पर मतदान होना है, उनमें से एनडीए के 121 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं, जबकि महागठबंधन के 126 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों से मुठभेड़

● एक जवान घायल, दो से तीन आतंकी छिपे, सेना ऐक्टिव

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रू स्थित कलाबन फॉरेस्ट एरिया में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आतंकियों की फायरिंग से एक जवान घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

ङ्ग पर एक पोस्ट में बताया कि पुलिस को आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ जॉइंट ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन को छत्रू नाम दिया गया है।

आपके भविष्य की चोरी की जा रही, गंभीरता से लें

वोट चोरी को लेकर जेन-जेड से राहुल गांधी ने फिर की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दावा किया है कि पिछले साल हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख फर्जी मतों के जरिए चुनाव चोरी किया गया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि निर्वाचन आयोग ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सांठगांठ करके 'वोट चोरी' करवाई है। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने दावा किया कि मतगणना के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं और यह सब राष्ट्रीय स्तर पर एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा था।

● **राहुल गांधी का दावा- पूरा राज्य चुराया गया है-** प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि हमने यह नाम रखा है और यह इस बारे में है कि कैसे पूरे राज्य को चुराया गया। हमें हरियाणा के कई प्रत्याशियों से शिकायतें मिलीं कि कुछ न कुछ गड़बड़ है। उनके सभी अनुमान उल्टे पड़ गए। हमने यह अनुभव पहले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी किया था, लेकिन इस बार हमने तय किया कि हरियाणा के मामलों में गहराई से जांच की जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जीत को हार में बदलने की एक संगठित साजिश रची गई थी। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि हरियाणा के चुनावी इतिहास में पहली बार पोस्टल वोट्स और वास्तविक वोटिंग के आंकड़ों में भारी अंतर मिला।

कहते हैं एटम बम फटेगा, बम फटता क्यों नहीं

● भाजपा बोली- वोट चोरी पर राहुल के दावे फर्जी

रिजीजू ने कहा-छिपकर थाईलैंड-कंबोडिया जाते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा और चुनाव आयोग पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोप लगाए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल के आरोपों पर पलटवार किया। रिजिजू ने कहा- राहुल ने जो प्रजेंटेशन दिया, वह फर्जी था। राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ विदेशी महिलाओं के नाम का जिक्र किया। वे संसद सत्र चलते समय विदेश चले जाते हैं। छिपकर थाईलैंड-कंबोडिया जाते हैं। उन्हें विदेशों से जो प्रेरणा मिलती है, उसके आधार पर वे लोगों का समय बर्बाद करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा- हम भी कई चुनाव हारे, लेकिन कभी रोना-धोना नहीं किया।

हमने चुनाव आयोग को गाली नहीं दी। हमने हमेशा नतीजों का स्वागत किया। बिहार में कल चुनाव है। वे ध्यान भटकाने के लिए मुद्दा लेकर आ रहे हैं। राहुल बोलते हैं कि एटम बम फटने वाला है। उनका एटम बम कभी फटता क्यों नहीं है। रिजिजू बोले- बिहार में एसआईआर से लोग खुश, राहुल रो रहे रिजिजू ने हरियाणा चुनाव पर राहुल के आरोपों पर कहा- एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल में उलटफेर होते हैं।

पाकिस्तान में अब होगा सिविल-मिलिट्री रूल

● शहबाज सरकार बदलने जा रही संविधान, असीम मुनीर करेंगे देश पर राज!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार 27वां संशोधन पेश करने जा रही है। शहबाज सरकार के इस कदम के साथ देश नागरिक शासन की जगह सिविल-मिलिट्री रूल के लिए पूरी तरह से तैयार बताया जा रहा है। पाकिस्तान में हालांकि सेना ही असल में परदे के

पीछे शासन करती रही है लेकिन अब इसे संवैधानिक मंजूरी मिलने जा रही है। बताया जा रहा है कि यह कदम पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की रिटायरमेंट को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, जिससे उन्हें असीमित ताकत मिल जाएगी और वह पाकिस्तान पर राज करेंगे।

अंग्रेजों का नहीं अब पीएम मोदी का साम्राज्य

● प्रियंका गांधी बोलीं-यहां अडाणी-अंबानी का कर्ज माफ होता है

किसानों के साथ धोखा, बीजेपी वाले आपको घुसपैठिया बता रहे

बेतिया (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बिहार के बेतिया के चनपटिया पहुंची हैं। उन्होंने सभा में कहा कि, 20 साल में सरकार ने बस आपको संघर्ष करने की आदत डलवाई है। चंपारण की धरती से ही आजादी के आंदोलन की शुरुआत हुई। यहां के किसानों की आवाज महात्मा गांधी तक पहुंची और वो यहां तक आए। आज अंग्रेजों का नहीं मोदी का साम्राज्य है। इस राज में सब कुछ महंगा हो गया है। मोदी साम्राज्य में किसान कर्ज लेता है और ब्याज चुकाते-चुकाते उसकी कमर टूट जाती है। आपका कर्ज कभी माफ नहीं होता, लेकिन अंबानी-अडाणी का लाखों करोड़ों का कर्ज माफ हो जाते हैं।

बीजेपी वाले बिहार के लोगों को घुसपैठिया बताते हैं

इससे पहले उन्होंने वाल्मीकि नगर में चुनावी सभा में कहा था कि, मेरे भाई राहुल गांधी ने बिहार में वोट चोरी के खिलाफ यात्रा निकाली। बीजेपी वालों ने कहा कि घुसपैठियों की लिए यात्रा निकाली। मैं पूछना चाहती हूं कि क्या बिहार के लोग घुसपैठिए हैं। बीजेपी वाले नहीं चाहते हैं कि समाज के हित के लिए लड़ाई लड़ी जाए। समाज के हर वर्ग को मौका मिलना चाहिए। हर चुनाव में वोट चोरी हो रही है। पता नहीं आने वाले दिनों में चुनाव होगा या नहीं। देश से शिकायत ये है कि यहां के लोग चुप हैं।

● **प्रियंका ने युवक को मंच पर बुलाया, समस्या सुनी-** सभा के दौरान एक युवक प्रियंका गांधी को अपनी समस्या बताना चाहता था। प्रियंका गांधी ने उसे मंच पर बुलाया। उससे नाम पूछा। युवक ने कहा, आरिफ। प्रियंका ने कहा देखो ये है बिहार का नौजवान जो अपनी बात रखना चाहता है। अपनी समस्या अपना दर्द बताना चाहता है। प्रियंका ने उसे कहा कि आप थोड़ी देर रुकिए फिर मैं आपकी समस्या सुनती हूं। भाषण खत्म होने के बाद प्रियंका ने आरिफ की समस्या सुनी। इनके भाई ने नीट का एग्जाम दिया था। इसने साथियों ने स्स्ष्ट का एग्जाम दिया था। जिस तरह से रिजल्ट आया उससे लगता है पेपर लीक हुई। हमने प्रदर्शन किया तो प्रशासन ने हमें पीटा। पुलिस वालों ने इन्हें रोका।

अमेरिका में मेयर चुनाव जीते भारतवंशी ममदानी

ट्रम्प से बोले-जानता हूं आप देख रहे हैं, वॉल्यूम तेज कीजिए

ममदानी ने कहा-न्यूयॉर्क ने आपको पैदा किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल के डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार जोहरान ममदानी ने अमेरिकी शहर न्यूयॉर्क के मेयर का चुनाव जीत लिया है। उन्हें 50.4 फीसदी वोट मिले हैं। दूसरे नंबर पर न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर और निर्दलीय उम्मीदवार एंड्रयू कुओमो रहे। उन्हें 41 फीसदी यानी करीब 8.5 लाख वोट मिले। रिपब्लिकन पार्टी के कर्टिस स्लिवा 7.1 फीसदी यानी करीब 1.45 लाख वोटों के साथ तीसरे नंबर पर है। ममदानी फिल्म डायरेक्टर मीरा नायर के बेटे हैं। वे पिछले 100 सालों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर होंगे। जीत के बाद ममदानी ने न्यूयॉर्क की जनता को संबोधित किया। इसमें उन्होंने ट्रम्प को चेतावनी भी दी। ममदानी ने कहा- जिस शहर (न्यूयॉर्क) ने ट्रम्प को पैदा किया, वही अब देश को दिखाएगा

कि उन्हें कैसे हराया जाता है। डोनाल्ड ट्रम्प, मुझे पता है कि आप यह देख रहे हैं। मेरे पास आपके लिए चार शब्द हैं- वॉल्यूम जरा तेज करो।

राजा की हत्या के बाद सोनम ने ही साफ किया था रक्तरंजित हथियार, हत्याकांड में खुलासा

इंदौर। सहकार नगर निवासी ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में जो नया खुलासा हुआ जो उसकी पत्नी सोनम की निष्ठुरता का प्रमाण है। इस खुलासे से सभी सन्न हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि सोनम ने सबूत मिटाने की नीयत से खून से सना 'दाओ' (धारदार हथियार) जंगली घास से साफ किया था, क्योंकि वहां और कुछ नहीं था।

मेघालय कोर्ट ने मृतक राजा की पत्नी और मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी, उसके प्रेमी राज कुशवाह, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी पर हत्या और सबूत मिटाने के आरोप तय कर दिए हैं। अदालत ने पर्याप्त सबूतों के आधार पर मुकदमे की सुनवाई शुरू करने का आदेश दिया। हनीमून पर पति के मर्डर की प्लानिंग के बाद पत्नी सोनम ने ही अपने प्रेमी राज कुशवाह और भाड़े के हत्यारों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। आरोपियों से पूछताछ और आरोप पत्र से पता चला कि सोनम रघुवंशी शादी के बाद भी प्रेमी राज कुशवाह के संपर्क में थी। दोनों ने इंदौर में ही राजा रघुवंशी के मर्डर की प्लानिंग बना ली थी। पहले सोनम ने हनीमून के दौरान अपनी मौत का नाटक कर गायब होने का प्लान बनाया, लेकिन, ये कारगर नहीं हो सका। सोनम और राज का प्लान था कि राजा की मौत के बाद वे लोग एक साल तक छिपे रहेंगे और फिर साथ में घर बसाएंगे।

राज और सोनम ने एक साल छिपे रहने फिर साथ में घर बसाने का प्लान भी किया

राज कुशवाह ने अपने दोस्त आकाश राजपूत, विशाल सिंह चौहान उर्फ विक्की और आनंद कुर्मी को राजा के मर्डर के लिए तैयार किया। उन्होंने पहले असम में हत्या की साजिश रची, पर प्लान फेल होने के बाद मेघालय के सोहरा (चेरापूंजी) में कत्ल को अंजाम देने का फैसला किया गया। घटना वाले दिन राजा और सोनम मावलखियात में स्कूटी खड़ी करने के बाद ट्रेकिंग के लिए निकले, इसी दौरान दोनों वहां पहले से मौजूद आनंद, विशाल और आकाश से मिले। सभी का इंदौर का होने के चलते परिचय का नाटक भी हुआ। वहां पहुंचने पर सोनम वॉशरूम जाने का बहाना कर वहां से निकल गई। राजा जब रेलिंग के सहारे खड़ा था, तभी विशाल ने दाओ से राजा के सिर पर वार किया। इसके बाद आनंद ने राजा की गर्दन और कंधे पर और आकाश ने सिर पर वार किया।

उन्होंने शव को खाई में फेंक दिया। सोनम लौटी तो उसने खून से सने 'दाओ' को घास से साफ किया। फिर उसने राजा के फोन को दाओ से कुचलकर तोड़ दिया। आकाश ने खून से सनी अपनी शर्ट खाई में फेंक दी। इसके बाद सोनम ने हमलावरों को 20 हजार रुपए दिए और खुद मरून कलर का बुर्का पहनकर वहां से भाग गई।

790 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

मेघालय पुलिस की एसआईटी ने इस केस में 790 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की, जिसमें सोनम रघुवंशी को मुख्य साजिशकर्ता बताया गया। पुलिस के मुताबिक, सोनम ने राज कुशवाह के साथ मिलकर तीन भाड़े के हत्यारों को हायर किया। जांच में सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड और चश्मदीदों के बयान प्रमुख सबूत बने। मृतक राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने शिलांग पुलिस की जांच पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस केस की तह तक जाकर मजबूत सबूत जुटाए हैं, जिसके लिए रघुवंशी परिवार उनका आभारी है।

पुलिस ने 8 घंटे में चाकू मारकर हत्या करने वाले को पकड़ लिया

शराब पीने के बाद विवाद, आरोपी और मृतक दोनों साथी

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र में सोमवार रात शराब पीने के बाद विवाद के चलते युवक ने अपनी साथी की चाकू गोदकर हत्या कर दी थी। मामले में पुलिस ने 8 घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी और मृतक एक साथ रहते थे। पुलिस के अनुसार, युवक कालू उर्फ शुभम की खून से सनी लाश रात 11 बजे बापट चौराहा के समीप केटीएम शोरूम के सामने मिली थी। प्रारंभिक जांच में उसके शरीर पर चाकू के आठ निशान पाए गए थे। इस पर शव बरामद कर अज्ञात बदमाश पर हत्या का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई थी। थाना प्रभारी सुशील पटेल की टीम ने मंगलवार तड़के 3.30 बजे मालवा मिल क्षेत्र से आरोपी कुणाल पंवार को गिरफ्तार किया। कुणाल पहले महू के ग्राम कोदरिया में रहता था। करीब चार साल पहले वह कोदरिया से मालवा मिल रहने आ गया। यहां उसके माता पिता भी रहते हैं। नशाखोरी करने के कारण मां और भाई ने उसे घर से निकाल दिया था। इसके बाद वह मृतक कालू के साथ झोपड़ी बनाकर रहने लगा था।

दादा कहकर इज्जत दी जाए- पूछताछ में कुणाल ने बताया कि कालू उम्र में बड़ा था और अक्सर मुझे डराता-धमकाता था। यहां तक कि वह उससे कहता था कि उसे 'दादा' कहकर इज्जत दी जाए। सोमवार रात दोनों ने शराब पी और आपसी विवाद बढ़ गया। झगड़े के दौरान कुणाल ने बस्ती के पीछे ले जाकर कालू पर चाकू से वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई।

कार ने बाइक को टक्कर मारी, महिला की मौत

इंदौर। पति के साथ बाइक से घर लौट रही महिला को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। घटना में महिला की मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने कार चालक पर केस दर्ज कर लिया है। घटना ढाई बजे 56 दुकान के सामने की है। तुकोगंज पुलिस ने बताया कि जयंत खासे निवासी कनाड़िया अपनी पत्नी ज्योति (60) के साथ बाइक (एमपी-13-एफआर-9064) से दोपहर ढाई बजे के दरमियान राजबाड़ा से अपने घर की ओर लौट रहे थे। तभी पीछे से तेज गति से आ रही मारूति ईको कार (एमपी-09-डीएन-1144) ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से महिला 10 फीट दूर फेंका गई। जबकि, पति बाइक के नीचे दब गया। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और पति को बाइक के नीचे से निकालकर अस्पताल रवाना किया। घायल महिला की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटनास्थल से 100 मीटर दूर पलासिया चौराहा और ट्रैफिक उपायुक्त का कार्यालय हैं। चौराहे पर रोजाना पुलिस जवान तैनात रहते हैं। घटना के बाद मौके पर पुलिस आधे घंटे बाद पहुंची। मामले में डीसीपी आनंद कलादगी का कहना है कि चौराहे पर उस समय मौजूद जवान से घटना को लेकर जानकारी ली जाएगी।

श्रद्धालु बनकर पहुंचा चोर, दान पात्र से चोरी

इंदौर। सयाजी चौक स्थित शिव मंदिर में श्रद्धालु बनकर पहुंचे एक व्यक्ति ने दानपात्र तोड़कर उसमें रखे पैसे चुरा लिए। घटना मंदिर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान राजीव चौहान निवासी मेघदूत नगर के रूप में हुई है। मंगलवार दोपहर वह मंदिर में पहुंचा और श्रद्धालु होने का नाटक करते हुए दानपात्र तोड़ दिया। उसमें रखी नकदी निकालकर फरार हो गया। शाम को जब गणेश कलदाते मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि दान पात्र टूटा पड़ा है। सीसीटीवी फुटेज देखने पर चोरी का पूरा मामला सामने आ गया। गणेश ने तुरंत पुलिस को सूचना दी विजयनगर पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में राजीव ने चोरी की बात स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि उस पर पहले भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं। इस घटना से क्षेत्र के श्रद्धालुओं में आक्रोश है।

नशे में धुत 3 पुलिसकर्मियों का उत्पात

इंदौर। रावजी बाजार क्षेत्र में शराब के नशे में तीन पुलिसकर्मी नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए सड़क पर उत्पात मचाते नजर आए। ये वही पुलिसकर्मी थे जो आम दिनों में नशे में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई करते थे। जानकारी के अनुसार, मेन रोड पर लापरवाही से वाहन चलाने और लोगों को टक्कर मारने के बाद राहगीरों ने कार को रोक लिया। चार पहिया वाहन में वर्दीधारी तीन पुलिसकर्मी सवार थे। मौके से गुजर रहे बाणगंगा थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर को लोगों ने रोका और स्थिति से अवगत कराया। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और तीनों को शराब के नशे में पाया। पुलिस आयुक्त ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों आरक्षकों अनिल (संयोगितागंज थाना), सुदर्शन धुर्वे (भंवरकुआं थाना) और वेदांत (आजाद नगर थाना) को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी है।

अश्लील वीडियो शेयर करने वाला गिरफ्तार

इंदौर। राज्य सायबर सेल ने आपरेशन नयन के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। अमेरिका की कंपनी %मेटा इन% ने साइबर टिपलाइन पर सूचना दी थी कि एक युवक बच्चों के अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें वायरल कर रहा है। सूचना के बाद साइबर सेल ने तकनीकी संसाधनों की मदद से आरोपी कमल लोबानिया निवासी इंदौर को गिरफ्तार किया। आरोपी ने बताया कि वह बच्चों के अश्लील वीडियो को सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न ग्रुपों के माध्यम से डाउनलोड करने और उन्हें वाट्सएप ग्रुपों में शेयर करता था। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल और सिम कार्ड जब्त कर लिए हैं।

एमडी ड्रग्स के साथ युवक पकड़ाया

इंदौर। पुलिस के तमाम प्रयासों के बाद भी मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त कम नहीं हो रही है। तस्करों को पकड़ने लसूड़िया पुलिस ने सोमवार को विशेष अभियान चलाया था। इसके अंतर्गत सूचना मिली थी कि खजराना निवासी साजिद खान वर्तमान में लसूडिया क्षेत्र अंतर्गत महालक्ष्मी नगर खालसा चौक तथा आसपास के क्षेत्र में तस्करी में सक्रिय हैं। अक्सर निरंजनपुर सब्जी मंडी के आसपास तस्करी करता है। टीम ने निरंजनपुर सब्जी मंडी के पास स्थित मैदान से बदमाश साजिद पिता रफीक खान निवासी जल्ला कॉलोनी को 10.34 ग्राम एमडी ड्रग के साथ पकड़ा।

ई-रिक्शा ने स्कूटर को टक्कर मारी, चार घायल

इंदौर। एयरपोर्ट रोड पर सोमवार दोपहर तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने स्कूटर को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटर सवार बुजुर्ग समेत रिक्शा में बैठे तीन लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। एरोड्रम पुलिस के अनुसार हादसा दोपहर करीब 2.15 बजे गौतम आश्रम के सामने हुआ। फरियादी मनीष सांखला निवासी आम्रकुंज कॉलोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ई-रिक्शा क्रमांक एमपी 09 झेडएन- 7006 का चालक लापरवाहीपूर्वक तेज गति में वाहन चला रहा था। उसने उनके पिता सुरेश सांखला (70) की ई-स्कूटर को पीछे से टक्कर मारी, जिससे वे सड़क पर गिर गए और उन्हें सिर व कंधे में चोटें आईं। टक्कर के बाद ई-रिक्शा भी पलट गया, जिससे उसमें सवार विनोद (24), नथाबाई (65) और सुसाबाई (65) घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया है।

पाइप लाइन फूटी, रणजीत हनुमान मंदिर परिसर पानी से लबालब

गर्भगृह तक पहुंचा पानी, श्रद्धालुओं में मची अफरा-तफरी

इंदौर। मंगलवार रात बाबा रणजीत के दरबार में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी थी। सुंदरकांड का पाठ चल रहा था, तभी अचानक द्रविड़ नगर की पानी की टंकी को भरने वाली मुख्य पाइपलाइन फूट गई। तेज प्रेशर से निकले पानी ने कुछ ही मिनटों में मंदिर परिसर को जलमग्न कर दिया और पानी गर्भगृह तक पहुंच गया। घटना के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि, बाबा रणजीत भक्त मंडल ने तत्परता दिखाते हुए श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से बाहर निकाला और किसी प्रकार की अनहोनी नहीं होने दी। सुन्दरकाण्ड पाठ का समापन जल्दी किया गया और मंदिर का तामझाम हटाकर सुरक्षा व्यवस्था की गई। मंदिर के मुख्य पुजारी दीपेश व्यास ने बताया कि घटना की सूचना तुरंत नगर निगम अधिकारियों को दी गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर पानी सप्लाई का वाल्व बंद किया और पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले मंदिर के बाहर दीवार निर्माण के दौरान जेसीबी की वजह से यह पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। घटना के बाद श्रद्धालुओं के बीच चर्चा रही कि देव दिवाली की पूर्व संध्या पर माँ नर्मदा ने स्वयं बाबा रणजीत के मंदिर का अभिषेक किया। एहतियात के तौर पर मंदिर के दोनों मुख्य द्वार अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए ताकि भीड़ और अव्यवस्था न बढ़े।

बादल छंटे, रात के तापमान में गिरावट, आज से ठंड का असर बढ़ने का संकेत

हवा की दिशा उत्तर-पूर्वी होगी, मौसम का मिजाज फिर बदल गया

इंदौर। करीब डेढ़ सप्ताह से छाए बादल मंगलवार से छंटना शुरू हो गए। इससे रात के तापमान में गिरावट महसूस की जाने लगी। रात का पारा लुढ़ककर 20.8 डिग्री दर्ज किया गया। यह भी औसत से 5 डिग्री ज्यादा रहा। 6 नवंबर के बाद से तापमान में ज्यादा गिरावट आने लगेगी और रात का 16-17 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक, ठंड को प्रभावित करने वाला कोई सिस्टम एक्टिव होता नजर नहीं आ रहा। पहाड़ी इलाकों में भी बर्फबारी शुरू हो गई। आसमान साफ होते ही उत्तर से आने वाली हवा अपने साथ जोरदार ठंड लेकर आएगी। दिन के तापमान में भी गिरावट आएगी। लगातार बादल, बारिश के कारण रात की जगह दिन ज्यादा ठंडे रहे। मंगलवार को दिन का तापमान 29.8 डिग्री दर्ज किया गया, जो औसत से 1 डिग्री कम रहा। इस ठंड के सीजन की खास बात यह है कि बादल, बारिश की वजह से रात के बजाय दिन में ठंड महसूस हुई। अधिकतम तापमान पर नजर डालें तो यह औसत से 9 डिग्री तक कम दर्ज हो चुका है। इस बार लगातार 12 रात से न्यूनतम तापमान औसत से 4 से 6 डिग्री तक अधिक दर्ज हो रहा है। मंगलवार को सुबह के वक्त आसमान साफ हुआ था, फिर 7 बजे के बाद हलके बादल छा गए थे। बारिश जैसी स्थिति भी बनी, लेकिन 10 बजे तक मौसम फिर साफ होता चला गया।

प्रदेश का मौसम बदला

प्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया। अरब सागर से आने वाली नमी और पश्चिमी विक्षोभ के संयुक्त प्रभाव से प्रदेश में बादल छाए और ठंड बढ़ गई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की वर्षा होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को भी मौसम मिला-जुला रहा। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 5 से 8 नवंबर के बीच प्रदेश का मौसम ज्यादातर शुष्क रहेगा। 9 नवंबर से मौसम फिर बदलेगा और बादल छाए रहेंगे और कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। अरब सागर पर बना चक्रवात और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता इस बदलाव की मुख्य वजह है। विभाग ने किसानों और यात्रियों को सलाह दी है कि वे कुछ दिनों तक मौसम पर नजर रखें।

डीएवीवी के पूर्व कुलपति बेटे-बहू की शिकायत लेकर जनसुनवाई में पहुंचे

बोले कि बेटा मारपीट करता है, मोबाइल छीनकर घर से निकाला

इंदौर। देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के पूर्व कुलपति नरेंद्र धाकड़ (77 साल) घरेलू समस्या से परेशान हैं। मंगलवार को वे पत्नी के साथ कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने शिकायत की, कि बेटा और बहू हमारी पिटाई करते हैं। पति-पत्नी दोनों व्हीलचेयर से कलेक्टर के पास पहुंचे थे। पूर्व कुलपति ने बेटे और बहू पर मारपीट के आरोप के अलावा यह भी बताया कि हमें मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। नरेंद्र धाकड़ ने कलेक्टर को दी शिकायत में कहा है कि वे लोग कॉलेज की संपत्ति को हड़पना चाहते हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने उनकी बातें सुनी है। कलेक्टर ने मामले की जांच की जिम्मेदारी एडीएम रोशन राय को सौंपी। शिकायत की जांच के दौरान कुलपति के बेटे अमित ने एडीएम को फुटेज दिखाए हैं। इसमें पूर्व कुलपति नरेंद्र धाकड़ पोती को पीटते दिख रहे हैं। बेटे अमित ने शिकायत पर कहा है कि इस घटना को दबाने के लिए उन्होंने ऐसा आरोप लगाया है।

हालांकि बेटे यह कहा है कि माता-पिता ही मेरे लिए सर्वोपरि हैं। कलेक्टर ने कहा कि पूर्व कुलपति, उनकी पत्नी और बेटी आई थीं। उन्होंने कहा है कि उनके बेटे उनको परेशान कर रहे हैं। मामला पारिवारिक है इसलिएम उनके बेटे को भी बुलाकर हमलोग समझाएंगे।

नाबालिग विवाहिता से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा दी

इंदौर। नाबालिग विवाहिता से दुष्कर्म करने वाले बदमाश भारत रघुवंशी को द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश सविता जडिया ने धारा 376 (3), एवं 5/6 पॉक्सो अधिनियम में 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास और 2000 रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई। आरोपी ने तीन साल पहले दुष्कर्म किया था। अभियोजन के अनुसार, 16 अगस्त 2022 को पीड़िता ने थाना शिप्रा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि करीब 4 माह पहले उसकी शादी झालावाड़ में हुई थी। वह अपने ससुराल में ही रह रही थी। राखी के त्यौहार के लिए 10 अगस्त 2022 को गांव में रहने वाला भारत सिंह उसे लेने झालावाड़ आया। वह उसके साथ बाइक से अपने मायके देवास के लिए आई रात होने से इंदौर में भारत सिंह के घर ही रूक गई। सुबह मां के साथ अपने मायके देवास आ गई। 15 अगस्त 2022 को दाणूसिंह, जिसने मेरी शादी झालावाड़ में कराई थी। उसे उसके ससुराल झालावाड़ छोड़ने के लिए मेरे मायके देवास आया। मैं ससुराल जाने के लिए बाइक से दाणुसिंह के साथ निकली। पहले हम इंदौर आए और रात भारत सिंह के घर रूके। घर में भारत सिंह के अलावा कोई नहीं था। फिर हम तीनों ने खाना खाया और जब मै सोने जा रही थी, तो भारत ने गलत काम किया।

ढाबे पर विवाद करते पकड़ाया किन्नर विवाद का फरार आरोपी

मामला किन्नर से अप्राकृतिक कृत्य करने और वसूली का

इंदौर। ढाबे पर चाय पीने के दौरान फर्जी मीडियाकर्मी पंकज जैन ने अन्य ग्राहक से विवाद किया। विवाद के बाद ग्राहक की मदद से पुलिस ने उसे पकड़कर पंढरीनाथ पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी पर किन्नर से अप्राकृतिक कृत्य करने और वसूली का आरोप है। वह सवा माह से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया। पंढरीनाथ पुलिस को युवक अंकित पचरोद निवासी टाट पट्टी बाखल ने बताया कि मैं पंकज जैन को पहचानता हूं। अपने कुछ साथियों के साथ धार रोड पर ढाबे पर चाय पी रहा था। तभी वहां मुझे पंकज दिखाई दिया। मैं उसे पकड़ने की कोशिश करने लगा तो वह विवाद करने लगा। मेरी उससे हाथापाई हुई। इसी दौरान झगड़ा करते हुए मैं और पंकज ढाबे से बाहर आ गए। बाहर देखा तो मुझे दो पुलिस जवान जाते दिखे। मैंने दोनों को आवाज देकर बुलाया और पंकज को उनके हवाले किया। दोनों जवान चंदन नगर थाने में पदस्थ है।

पूर्व में दो फरार पकड़ाए

पंढरीनाथ टीआई अजय राजोरिया ने बताया कि 15 अक्टूबर को पंकज, उसके साथी अक्षय कुमायूं, राजा हाशमी और सपना हाजी के खिलाफ किन्नरों ने अवैध वसूली, मारपीट और शोषण का केस दर्ज कराया था। मामले में आक्रोशित 24 किन्नरों ने आत्महत्या की नीयत से फिनाइल पी लिया था, जिन्हें एमवाय अस्पताल में दाखिल किया था। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हीरानगर क्षेत्र से सपना हाजी को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि, फरार राजा हाशमी को जबलपुर से पकड़ा था। लेकिन, अक्षय और पंकज फरार चल रहे थे।

10 जगह काटी फरारी

जवानों ने पंकज को पंढरीनाथ पुलिस को सौंप दिया। पुलिस को पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मैंने घटना के बाद इंदौर में ही 10 से अधिक स्थानों पर किराए के कमरे में रहा। पुलिस की हर गतिविधियों पर नजर रहे। इस दौरान अग्रिम जमानत के प्रयास किए, लेकिन वकीलों ने आवेदन लगाने से मना कर दिया तो जनप्रतिनिधियों के माध्यम से थाने में पेश होने की योजना बनाई थी। मैं योजना में सफल होता इसके पहले ही पुलिस ने दबोच लिया। टीआई के मुताबिक, आरोपी को आज बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाकर रिमांड मांगा जाएगा।

संपादकीय

आर्थिक खस्ताहाली का संकेत

मप्र सरकार द्वारा इस बार गेहूं और धान की विकेन्द्रीकृत खरीदी से हाथ खींचना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि प्रदेश की माली हालत चरमरा रही है। यह राज्य का नीतिगत बदलाव भी है, जिसमें अभी तक किसान हितों को सर्वोपरि रखा जाता था। गौरतलब है कि मप्र सरकार ने नागरिक आपूर्ति निगम (नान) पर चढ़े 77 हजार करोड़ रुपए के भारी-भरकम कर्ज का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से सीधे धान और गेहूं खरीदने की अपील की है। इसके लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी को पत्र लिखा है। मप्र में धान-गेहूं खरीदी की विकेंद्रीकृत व्यवस्था है यानी प्रदेश सरकार किसानों से ये अनाज खरीदती है और केंद्र सरकार का भारतीय खाद्य निगम प्रदेश सरकार से अनाज लेता है। यदि केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को मान लेती है, तो ये व्यवस्था खत्म होगी और नागरिक आपूर्ति निगम की कोई भूमिका नहीं होगी। अगले सत्र से गेहूं-धान की खरीदी सीधे भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ही करेगा। सरकार का दावा है कि व्यवस्था में बदलाव से किसानों या आम जनता पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन जानकारों का कहना है कि इसके मप्र के किसानों की मुश्किलें बढ़ेंगीं। क्योंकि नागरिक आपूर्ति निगम (नान) शिथिल मानकों के तहत खरीदी कर लेता था, लेकिन एफसीआई ऐसा नहीं करेगा। क्योंकि एफसीआई के गुणवत्ता मानक सख्त होते हैं, जिससे बड़ी संख्या में किसानों की उपज रिजेक्ट हो सकती है और उन्हें अपनी मेहनत की कमाई औने-पौने दामों पर निजी व्यापारियों को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। गेहूं और धान की राज्य सरकार द्वारा खरीदी नहीं किए जाने से किसानों में उपजने वाले रोष को दरकिनार अगर मोहन यादव सरकार ने केन्द्र से गेहूं व धान खरीदी की गुहार की है तो इसके पीछे कुछ ठोस कारण व विवशताएं हैं। क्योंकि सरकार ने पिछले सालों में किसानों से बड़ी मात्रा में गेहूं और धान खरीद लिया था, जो बाद में ठीक से बिका नहीं और घाटा नान के माथे आ गया। राज्य के पत्र में उल्लेख है कि पिछले सालों में खरीदी बढ़कर गेहूं 77.74 लाख मीट्रिक टन एवं धान 43.49 लाख मीट्रिक टन हो गई है। इतने अनाज का स्टॉक करना भी महंगा पड़ रहा है। उसमें समय भी ज्यादा लगता है। पिछ्ली खरीदी के लिए नान ने बैंको से 72 हजार 177 करोड़ रू. उधार लिए थे। इसको चुकाने में ही पसीना आ रहा है। दूसरे, जितनी खरीदी हो रही है, उस मुकाबले खपत बहुत कम है। मप्र ने इस साल प्रदेश ने 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा, जिसमें से केवल 20 हजार मीट्रिक टन ही प्रदेश के राशन वितरण में इस्तेमाल होगा। लगभग 58 लाख मीट्रिक टन अनाज अतिरिक्त है। कुल खरीदी का 70-75त्न हिस्सा बाद में एफसीआई को ही जाता है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया का खर्च, जिसमें ट्रांसपोर्ट, भंडारण, रखरखाव और ब्याज शामिल है उसे राज्य सरकार को उठाना पड़ता है। क्योंकि एफसीआई बहुत देरी से प्रतिपूर्ति करती है। दूसरे, वह खरीदी भी अपने हिसाब से करती है। उसका नजरिया व्यावसायिक ज्यादा होता है, क्योंकि वह एक व्यावसायिक संस्था है। इस साल गेहूं खरीदी पर ही राज्य ने 20 हजार करोड़ रुपए का व पिछले साल धान पर 10 हजार करोड़ रू. का कर्ज लिया था। उधर विपक्षी कांग्रेस ने इसको मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रदेश के करोड़ों किसानों को गंभीर संकट में धकेलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके किसानों को केवल नुकसान ही होगा। यह मप्र में आर्थिक संकट की घंटी है। लाडली बहनाओं को हर साल 19 हजार करोड़ की राशि देने से सरकार वैसे ही हलाकान है।

नजरिया

अजय कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

121 सीटों पर बिहार सियासत की पहली परीक्षा

पिछले चुनाव के नतीजों पर नजर डालें तो 2020 में इन 121 सीटों पर एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर रही थी। महागठबंधन ने 61 सीटें जीती थीं जबकि एनडीए ने 59 सीटें। उस वक्त चिराग पासवान की एलजेपी अकेले मैदान में थी और सिर्फ एक सीट जीत सकी थी। आरजेडी ने उस चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 42 सीटें जीती थीं, भाजपा को 32, जेडीयू को 23, कांग्रेस को 8, माले को 7, वीआईपी को 4 और सीपीआई व सीपीएम को दो-दो सीटें मिली थीं। यही कारण है कि इस बार आरजेडी पर अपनी बढ़त बनाए रखने का दबाव है, जबकि जेडीयू और भाजपा के सामने खोया जनाधार वापस लाने की चुनौती।नीतीश कुमार के लिए यह पहला चरण किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं। जेडीयू जिन 57 सीटों पर लड़ रही है, उनमें से 36 पर आरजेडी से, 13 पर कांग्रेस से और सात पर सीपीआई माले से सीधा मुकाबला है। इसके अलावा दो सीटों पर वीआईपी से टक्कर है। यही कारण है कि नीतीश की राजनीति की साख इसी फेज पर टिकी मानी जा रही है। 2020 में जेडीयू के जिन 43 विधायकों ने जीत दर्ज की थी, उनमें से 23 पहले चरण की सीटों से आए थे। अगर इस बार वही सीटें डगमगाईं, तो नीतीश की मुख्यमंत्री कुर्सी भी खतरे में पड़ सकती है। दो दशक से सत्ता की धुरी बने नीतीश के लिए यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है।

बिहार में राजनीतिक तापमान अपने चरम पर है। 6 नवंबर को राज्य की सियासत की दिशा तय करने वाला पहला चरण होने जा रहा है, जिसमें 18 जिलों की 121 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। यह सिर्फ चुनावी प्रक्रिया का पहला पड़ाव नहीं, बल्कि सत्ता की कुर्सी की नींव रखे जाने वाला निर्णायक मोड़ है। 3 करोड़ 75 लाख से अधिक मतदाता 1314 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे। आंकड़ों से लेकर उम्मीदवारों की सूची तक, हर तथ्य इस बात की गवाही दे रहा है कि इस बार की लड़ाई पहले से कहीं ज्यादा कड़ी, रोचक और निर्णायक है।बिहार के पहले चरण में मिथिलांचल, कोसी, मुंगेर डिवीजन और भोजपुर बेल्ट के वे इलाके शामिल हैं जहां राजनीति हमेशा से जातीय समीकरणों और स्थानीय प्रभावशाली चेहरों पर टिकी रही है। इस बार भी स्थिति कुछ अलग नहीं। इन इलाकों में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू, तेजस्वी यादव की आरजेडी, भाजपा, कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीधे-सीधे मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। कुल 1314 उम्मीदवारों में से 122 महिलाएं भी मैदान में हैं, जो बिहार की राजनीति में महिलाओं की बढ़ती सक्रियता को दर्शाता है।

पहले चरण में मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा है, लेकिन दिलचस्प यह है कि इस बार दोनों गठबंधनों के भीतर भी अंदरूनी जंग जारी है। महागठबंधन की ओर से आरजेडी 72 सीटों पर, कांग्रेस 24 पर और सीपीआई माले 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं सीपीआई और वीआईपी छह-छह सीटों पर, सीपीएम तीन पर और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी दो सीटों पर मैदान में है। एनडीए में जेडीयू 57, भाजपा 48, एलजेपी (रामविलास) 13, आरएलएम 2 और हम (जीतनराम मांझी की पार्टी) एक सीट पर किस्मत आजमा रही है। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि जन सुराज पार्टी ने 119 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।यह आंकड़े भले चुनावी गणित की एक झलक भर हों, लेकिन असल कहानी उम्मीदवारों की प्रोफाइल और इलाकाई समीकरणों में छिपी है। पहले चरण में करीब 32 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (छ्रक्र) की रिपोर्ट के अनुसार, हर तीसरा उम्मीदवार किसी न किसी मुकदमे में आरोपी है। इनमें से 20 प्रतिशत उम्मीदवार गंभीर धाराओं में केस झेल रहे हैं। यही बिहार की सियासत की सच्चाई है, जहां अपराध, प्रभाव और राजनीतिक पूंजी एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं।

पिछले चुनाव के नतीजों पर नजर डालें तो 2020 में इन 121 सीटों पर एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर रही थी। महागठबंधन ने 61 सीटें जीती थीं जबकि एनडीए ने 59 सीटें। उस वक्त चिराग पासवान की एलजेपी अकेले मैदान में थी और सिर्फ एक सीट जीत सकी थी। आरजेडी ने उस चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 42 सीटें जीती थीं, भाजपा को 32, जेडीयू को 23, कांग्रेस को 8, माले को 7, वीआईपी को 4 और सीपीआई व सीपीएम को दो-दो सीटें मिली थीं। यही कारण है कि इस बार आरजेडी पर अपनी बढ़त बनाए रखने का दबाव है, जबकि जेडीयू और भाजपा के सामने खोया जनाधार वापस लाने की चुनौती।नीतीश कुमार के लिए यह पहला चरण किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं। जेडीयू जिन 57 सीटों पर लड़ रही है, उनमें से 36 पर आरजेडी से, 13 पर कांग्रेस से और सात पर सीपीआई माले से सीधा मुकाबला है। इसके अलावा दो सीटों पर वीआईपी से टक्कर है। यही कारण है कि नीतीश की राजनीति की साख इसी फेज पर टिकी मानी जा रही है। 2020 में जेडीयू के जिन 43 विधायकों ने जीत दर्ज की थी, उनमें से 23 पहले चरण की सीटों से आए थे। अगर इस बार वही सीटें डगमगाईं, तो नीतीश की मुख्यमंत्री कुर्सी भी खतरे में पड़ सकती है। दो दशक से सत्ता की धुरी बने नीतीश के लिए यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है।

दूसरी तरफ, तेजस्वी यादव के लिए यह फेज सत्ता की राह का पहला पड़ाव है। पिछली बार उन्होंने भोजपुर और सारण बेल्ट में आरजेडी का परचम फहराया था और इस बार उनका लक्ष्य उन इलाकों में बढ़त बरकरार रखते हुए नई सीटों पर कब्जा करना है। तेजस्वी खुद राघोपुर से चुनाव मैदान में हैं, जो उनकी पारिवारिक परंपरा की सीट रही है। यहां जीत दर्ज करना तो उनके लिए सहज है, लेकिन चुनौती यह है कि सहयोगी दलों कांग्रेस और लेफ्ट के उम्मीदवारों को भी मजबूत प्रदर्शन दिलाया जाए। पिछली बार सहयोगी दलों के कमजोर प्रदर्शन के कारण ही तेजस्वी बहुमत से पीछे रह गए थे। इस बार उनका फोकस पूरे गठबंधन को एकजुट रखकर जीत की राह बनाना है।पहले चरण में नीतीश सरकार के 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है। इनमें जेडीयू के 5 और भाजपा के 11 मंत्री शामिल हैं। भाजपा के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे सीवान से, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी तारापुर से, और दूसरे डिप्टी सीएम विजय सिन्हा लखीसराय से चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा पटना के बांकीपुर से नितिन नवीन, दरभंगा के जाले से जीवेश मिश्रा, साहेबगंज से पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह, अमनौर से आईटी मंत्री कृष्ण मंटू और बिहारशरीफ से पर्यावरण मंत्री सुनील कुमार जैसे बड़े चेहरे भी मैदान में हैं।

जेडीयू के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी सरायरंजन से, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार नालंदा से, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी बहादुरपुर से और सूचना मंत्री महेश्वर हजारी कल्याणपुर से मैदान में हैं। इनके लिए यह सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि राजनीतिक भविष्य का निर्णायक मोड़ है।

बिहार की राजनीति का चरित्र हमेशा से गठबंधनों और समीकरणों पर टिका रहा है। लेकिन इस बार माहौल कुछ अलग है। भाजपा अब जेडीयू पर पूरी तरह निर्भर नहीं दिखना चाहती। नीतीश के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर की सुगबुगाहट भी है, और भाजपा इसी लहर को अपने पक्ष में भुनाने में लगी है। वहीं जन सुराज पार्टी जैसे नए संगठन भी जनता के बीच पैठ बनाने की कोशिश में हैं। प्रशांत किशोर की यह पार्टी 119 सीटों पर उम्मीदवार उतारकर सियासी हलचल बढ़ा रही है। हालांकि, इनका असर कितना होगा, यह नतीजे बताएंगे, लेकिन इतना तय है कि वोटों का बिखराव इस बार निर्णायक असर डालेगा।बिहार की जनता हर बार की तरह इस बार भी जातीय समीकरणों और स्थानीय मुद्दों से प्रभावित दिख रही है। बेरोजगारी, शिक्षा, महंगाई और कानून-व्यवस्था चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं, लेकिन विकास और नेतृत्व की तुलना में भावनात्मक समीकरण ज्यादा असर डालते दिख रहे हैं। तेजस्वी जहां युवाओं को रोजगार और परिवर्तन की बात कर रहे हैं, वहीं नीतीश कुमार अपनी सुशासन और विकास की छवि को दोहराने में लगे हैं।

6 नवंबर का मतदान सिर्फ 121 सीटों का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि बिहार की राजनीति आगे किस दिशा में बढ़ेगी। अगर पहले चरण में आरजेडी और उसके सहयोगी बढ़त बनाते हैं, तो तेजस्वी का रास्ता आसान होगा। लेकिन अगर नीतीश और भाजपा ने संतुलन बनाए रखा, तो बाकी चरणों में मुकाबला और भी दिलचस्प हो जाएगा।पहले चरण का चुनाव बिहार के भविष्य की सबसे बड़ी परीक्षा है सत्ता और विपक्ष दोनों के लिए। 20 साल से बिहार की राजनीति जिन दो ध्रुवों पर टिकी रही है, वही अब फिर से आमने-सामने हैं। फर्क बस इतना है कि इस बार दोनों के पास खोने को भी बहुत कुछ है। नीतीश के लिए सत्ता का निरंतरता दांव पर है और तेजस्वी के लिए भविष्य की राजनीति का स्वप्न। यह चरण तय करेगा कि जनता किसे अगले पांच साल की बागडोर सौंपना चाहती है।

विश्व राजनीति

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तुर्श-ज़ुबाँ ममदानी अब न्यूयार्क के मेयर

जोहरान ममदानी अब न्यूयार्क के निर्वाचित महापौर हैं। वह अमेरिका के राजनीतिक-नभ में धूमकेतु की मानिंद उभरे हैं। ठीक वैसे ही जैसे कभी सोवियत रूस के परिदृश्य में करीब चार दहाई पहले बोरिस येल्तसिन का उदय हुआ था। दोनों में तुलना बेमानी होगी, लेकिन जोहरान ममदानी अपनी तुर्श-जुबानी से फिलवक्त विश्वव्यापी सुर्खियों में है। बिला शक वह जेरे-बहस भी हैं। उनके आतिशी बयानों ने सनसनी फैलाने के साथ-साथ लोगों को तरह-तरह के कयास लगाने को बाध्य कर दिया हे। अब ट्रंप के विरोध के बावजूद उनके न्यूयार्क का मेयर चुन लिए जाने के बाद इसका असर न्यूयार्क की अंदरूनी तस्वीर के साथ ही अमेरिकी राजनय और विभिन्न देशों से अमेरिका के रिश्तों पर भी पड़ेगा।

शेक्सपियर भले ही कहते हों कि नाम में क्या धरा है, लेकिन नाम बहुत कुछ कहता है। उनका पूरा नाम है जोहरान क्वामे ममदानी, लेकिन यह नाम भी उनके कुल-गोत्र और सजरे को समग्रता में व्यक्त नहीं करता। यह उनकी जड़ों की ओर भी संकेत नहीं करता। वह गुजरात के शिया-मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनकी रगों में मिश्रित रक्त बह रहा है। पिता मुस्लिम हैं, तो मां पंजाबी हिन्दु। उनके पिता महमूद ममदानी शिक्षाविद हैं, जो गुजरात से अफ्रीका चले गये थे। उनकी मां मीरा नायर सिने-संसार की जानी मानी हस्ती हैं और मिसीसिपी मसाला, द नेमसेक, मानसून वेडिंग और सलाम बांबे जैसी चर्चित फिल्में के लिये जानी जाती है। पद्मभूषण से सम्मानित 67 वर्षीया मीरा ने सन 1991 में महमूद ममदानी से दूसरी शादी की। 18 अक्टूबर, सन 1991 को युगांडा की राजधानी कंपाला में जनमे जोहरान इसी युगल की संतान हैं।

बाल्यावस्था दक्षिण अफ्रीका में बिताने के बाद सात साल की उम्र में वह संयुक्त राज्य अमेरिका में आकर न्यूयार्क में बस गये। ब्रोंक्स हाईस्कूल ऑफ साइंस से स्नातक के बाद उन्होंने बोडोइन कॉलेज से अफ्रीकन स्टडीज में डिग्री हासिल की। राजनीति में पदार्पण के पूर्व वह हाउसिंग काउंसलर रहे और हिप-हाप संगीतकार के रूप में सक्रिय रहे। इन्हीं दिनों उनके विचार सरोकारों की सान चढ़े और उन्होंने आवासीय समस्या और उसके समाधान पर ध्यान दिया। वह पहले-पहल सन 2020 में न्यूयार्क स्टेट असेंबली के लिए चुने गये। उन्होंने चार बार के विजेता अरावेला सिमोटास को मात देकर सबको चकित कर दिया।

अपनी कथनी और करनी से उन्होंने वाहवाही बटोरी और लगातार निर्विरोध चुने जाते रहे। गत वर्ष उन्होंने सन 2025 के महापौर के चुनाव में अपनी उम्मीदवारी का ऐलान कर दिया। शत-प्रतिशत संभावना थी कि वह न्यूयार्क शहर के मेयर चुने जायेंगे। वजह यह कि उन्होंने अपनी मुहीम में बसों में मुफ्त यात्रा, बच्चों की देखभाल, राजकीय स्वामित्व की किराना दुकानों, भवनों का किराया बांधने और आवासीय ईकाइयों के निर्माण की घोषणा कर आम लोगों के बीच 'उम्मीद का चिराग' बनकर उभरे हैं। लोगों की उम्मीदों का ग्राफ उनकी सफलता की ओर संकेत करता है। डेमोक्रेटिक प्राइमरी अभियान के दौरान उन्हें बनी सैन्डर्स और अलेक्जेंड्रिया ओकासियो कोर्टेज जैसी प्रगतिशील और सम्मानित हस्तियों का समर्थन मिला।

जोहरान के पूरे नाम पर गौर करें। जोहरान क्वामे ममदानी। नाम और कुल नाम का मध्यवर्ती क्वामे उनके पिता की च्वाइस और देन है। क्वामे एनक्रूमा घाना के राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री थे और उन्हे पैन - अफ्रीकी नेता और अश्वेत मुक्ति के महानायक के तौर पर देखा जाता है। वह अफ्रीका के लेनिन कहलाये और सन 1963 में उन्हें लेनिन शांति पुरस्कार से नवाजा गया। जाहिर है कि नाम में क्वामे का समावेश प्रयोजनमूलक होने से मायने रखता है। इस ओर भी संकेत करता है कि वैचारिक दृष्टि से जोहरान किसके नक्शे-पा चलेंगे? बहरहाल वह न्यूयार्क के मेयर पद के चुनाव की रेस में उलटफेर करने में सफल रहे हैं। इस महत्वपूर्ण पद पर प्रतिष्ठित पहले भारतवंशी के साथ ही पहले मुस्लिम भी हैं। अपने प्रतिद्वन्द्वी और पूर्व गवर्नर को डेमोक्रेटिक प्राइमरी में मात देने के बाद उन्होंने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुये कहा - आज रात हमने इतिहास रच दिया। प्रतिद्वन्द्वी एंड्रयू कुओमो ने 'आज की रात हमारी नहीं थी। यह ममदानी की रात है' कहकर उन्हें फोन पर बधाई थी।

जोहरान ममदानी की उम्र ज्यादा नहीं है। महज तैंतीस वर्ष। वह साफगो़ हैं और ऊर्जा से लबरेज हैं। उन्हें अपने मुसलमान होने पर फख्र हैं और वह इस्रायल के मुखर आलोचक हैं। वह आवास, पुलिस और जेल सुधारों के हिमायती हैं। पिछले चुनावों में रिपब्लिकनों ने उनके विरोध की जहमत गवारा नहीं की। वह न्यूयार्क के मुस्लिम डेमाक्रेटिक क्लब के मेंबर हैं। उनके निर्वाचन क्षेत्र में एस्टोरिया भी है, जहां मुस्लिमों और अरबों की अच्छी खासी तादाद है। वह कार्पोरेट - चालित राजनीति के बरक्स अवाम - चालित -आंदोलन की बात करते हैं। वह नये बिजली घर चाहते हैं और मुफ्त बस सेवा। वह अपराधों पर काबू के लिए मानसिक स्वास्थ्य सुधारने पर बल देते हैं और सामाजिक आवास विकास एजेंसी बनाना चाहते हैं।

न्यूयार्क शहर में वह सभी परिवारों को बेबी-बास्केट देने की बात करते हैं। उन्होंने बड़ी तादाद में फाइनेंसर भी जुटा लिये हैं। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रीतियों-नीतियों के विरोधी हैं। गुजरात के सांप्रदायिक घटनाक्रम पर उनकी तीखी टिप्पणी ने सनसनी फैला दी थी।

उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीखी आलोचना करते हुये यहां तक कहा है कि वह उन्हें मैडिसन स्क्वेयर में सभा नहीं करने देंगे। किस्सा कोताह यह कि जोहरान क्वामे ममदानी ऐसा विवादास्पद चेहरा बनकर उभरे हैं, जिसके आगामी कल को लेकर सिर्फ कयास लगाए जा सकते हैं।

खबरों से खबरदार होने लगा है आम आदमी

कटाक्ष

राजेंद्र बज

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आजकल आदमी खबर के ठेठ भीतर तक की खबर का तलबगार है। वैसे आदमी अपनी कल्पना शक्ति के आधार पर किसी भी खबर के आगे-पीछे, ऊपर-नीचे और दाएं-बाएं का अनुमान लगा लिया करता है। लेकिन इन दिनों प्रायोजित खबरों का भी बोलबाला है। इसके चलते हर खबर को आदमी अपनी समझ और सुविधा के अनुसार ग्रहण करता है। दरअसल हर एक खबर की समीक्षा करने की आदत जो पड़ चुकी है। सीधी सी बात है कि सीधे से परोसी गई खबर इतना असर नहीं रखती जितनी कि चटपटी और जायकेदार खबर रखती है। कुछ एक की खोपड़ी तो किसी भी खबर के आगे-आगे चला करती है। शीर्षक पढ़ते ही संपूर्ण खबर का अनुमान लगाना इनके लिए बड़ी बात नहीं होती

आजकल की राजनीति में जब कहीं शुचिता और पवित्रता का दर्शन होता है, आम आदमी का दिमाग खिसक जाता है कि भले आदमी में इतना भी सामर्थ्य नहीं कि जमाने की हवा के साथ बह सके। अब तो आम आदमी राजनीति से ऐसी अपेक्षा कतई नहीं करता कि कोई इस काजल की कोठरी में रहकर बेदाग रह सके। उनकी नजरों में वह अभागा होता है जो हाथ आए मौके को गंवा बैठता है। दरअसल आम आदमी ने अपना मानस बना लिया है कि ऐसा होने पर वैसा होगा ही होगा। अब यदि कोई सक्रिय राजनीति में या यूं कहें कि शासन प्रशासन में है और लाभ के पद पर विराजमान है, तो यह मानकर चला जाता है कि नदी में तैरने वाला प्यासा कैसे रह सकता है। जो गरम लोहे पर चोट न मार सके, निरा अभागा ही हो सकता है।

दरअसल आम पाठक एवं दर्शक जो हुआ उससे कहीं ज्यादा क्यों हुआ ? यह जानने में दिलचस्पी रखने लगे हैं। बीते दौर में जब आदमी के पास फुर्सत ही फुर्सत हुआ करती थी, तब खरीद कर या किराए पर लेकर थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर उपन्यास पढ़े जाते थे। लेकिन समय बदला और ऐसा बदला कि बहुत तेजी के साथ सब कुछ बदल गया। उपन्यास पढ़ने में लगने वाला समय आजकल टीवी के विभिन्न विषय संदर्भ वाले धारावाहिकों ने ले लिया है। जब आदमी को खबरों में थ्रिलर और सस्पेंस की 'प्यास' होती है, वह चैनल पर आंख गढ़ा देता है। आजकल के जमाने में समय काटना कोई बड़ी बात नहीं। आदमी चाहे तो दिन भर इधर-उधर की बातों में उलझा हुआ रह सकता है।

आजकल के बाजारवादी युग में माल बेचने और खबर फैलाने के लिए सेल्समैनशिप के मूलभूत सिद्धांतों का पालन करना आवश्यक है। वास्तव में बत्तीसी रहित शख्सियत को गरमा गरम कड़क भुट्टे के स्वाद का एहसास कराते हुए भुट्टे बेच देना, कुशल सेल्समैनशिप का परिचायक है। ठीक इसी प्रकार अधिकांश आबादी जो मुफ्त के सरकारी राशन को अपना मूलभूत अधिकार समझती है, उसे सोने चांदी के उतार-चढ़ाव की खबर को पढ़वा देना, सार्थक पत्रकारिता का द्योतक है। गरज यह कि हर तरह की खबरों में साहित्यिक शब्दावली का उपयोग आम पाठकों के बौद्धिक स्तर को खाद पानी देने का काम करता है।आदमी मजे से राशन पानी के लिए सरकार पर निर्भर रहकर इस चिंता में दुबला हो सकता है कि आज जिस तरह सोने चांदी के भाव आसमान को छू रहे हैं, उसके चलते उसका गुजर बसर कैसे हो पाएगा ? पत्र पत्रिकाओं को टटोला जाए तो जमाने भर के विज्ञापनों की भरमार हुआ करती है। ऐसे में आदमी की चिंता और अधिक बढ़ जाती है कि आखिर वह क्या-क्या खरीदेगा ? दरअसल जमाने भर के उत्पादक एवं वितरक जनता जनार्दन पर डोरे पर डोरे डालते रहा करते हैं। एक चीज खरीदने पर चार अन्य नई चीजों की आवश्यकता महसूस होने लगती है। ऐसी स्थिति में बेचारा आदमी करें तो करें क्या ?

दरअसल आजकल के महंगाई और भ्रष्टाचार के युग में आम आदमी दर्शक या पाठक के रूप में दुनिया भर की खबरों में उलझ कर अपने-अपने स्तर पर दिमागी घोड़े दौड़ा रहा है। बीते दौर में जो अजीबोगरीब, अकल्पनीय और अविश्वसनीय खबरें हुआ करती थी , वह आम आदमी को चौंकाती थी। लेकिन अब आदमी घर बैठे दुनिया भर के घटनाक्रम पर निगाहें रख सकता है। लिखने की जरूरत नहीं कि अब आम आदमी का बौद्धिक स्तर काफी ऊंचाई पर पहुंच चुका है। इसके चलते आम पाठक एवं दर्शक मात्र शीर्षक को देख पढ़ कर ही सारे घटनाक्रम के ज्ञाता हो जाते हैं। रहा सवाल इसकी पुष्टि करने का, तो इस नहीं तो उस माध्यम से आगे- पीछे कहीं न कहीं तो उसकी पुष्टि तो हो ही जाती है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

श्याम यादव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बरखा रानी, अब तो विदा हो जाओ

हे बरखा रानी, अब तो जरा ठहर जाओ। कुछ ज्यादा ही छा गई हो, इस बार। जहां पानी की जरूरत नहीं थी, वहां झरने बहा दिए और जहां किसान आंखें आसमान पर टिकाए बैठा था, वहां सूखापन छोड़ दिया। तुम्हारा कैलेंडर कौन संभालता है बरखा रानी! लगता है, अब बादल भी छुट्टी पर नहीं जा रहे। जहां मन करता है, वहीं बरस पड़ते हैं। कोई पूछे, ये कौन-सा विभाग है जो जरूरत पर नहीं, मूड पर चलता है? पहले तुम्हारा आगमन एक उत्सव होता था। पहली बूंदें गिरती थी तो बच्चे गलियों में नाचने लगते थे। कवि कविताएं लिखते थे, प्रेमी प्रेम पत्रों में तुम्हारी उपमाएं देते थे। अब वही बच्चे स्कूल बंद होने की खबर पर राहत की सांस लेते हैं और बड़े छत से पानी टपकने पर सिर पकड़ लेते हैं। तुम्हारी मोहब्बत अब मुसीबत में बदल चुकी है।

तुम आईं तो लोगों ने कहा 'वाह, बरखा रानी आई हैं।' पर, जब लगातार हफ्तों तक रुकने का नाम नहीं लिया, तो वही लोग बड़बड़ाने लगे 'जाने का नाम ही नहीं लेती!' तुम भी जानती हो, जो मेहमान देर तक रुक जाए, उसका स्वागत धीरे-धीरे शिकायत में बदल जाता है। फर्क इतना है कि यहाँ कोई शिकायत दर्ज कराने की जगह नहीं है। आसमान में कोई हेल्पलाइन नंबर नहीं चलता, जहां कहा जा सके कि रानी, बस अब बहुत हुआ! कभी-कभी लगता है कि तुम भी बाकी मौसमों से मिलकर कोई साजिश कर रही हो। गर्मी तो अपनी हद पार कर चुकी है, जून में जो तापमान होना चाहिए, वो अब अप्रैल में दिखा देती है। फिर जुलाई-सितंबर में तुम हद से ज्यादा बहती हो। जब दिसंबर आता है, तो जाड़ा अपने साथ फिनाइल की गंध लेकर रजाई के अंदर घुस जाता है। हर मौसम अपनी मर्यादा भूल गया है। अब मौसम नहीं, मनमानी का दौर चल रहा है।

बरखा रानी, तुम्हारे आने पर किसानों की उम्मीदें जगती हैं, लेकिन तुम कभी उम्मीद पूरी करती हो तो कभी सब बहा ले जाती हो। खेत में धान की बालियाँ मुस्कुराती हैं, मगर तभी तुम अपनी फुहारों को तूफान में बदल देती हो। फसलें लहराने से पहले लेट जाती हैं, और किसान आसमान देखकर सोचता है कौन समझाए इस रानी को कि अब बस करो? तुम्हारी ये मनमौजी बरसात अब तो शहरों की पोल भी खोल चुकी है। जैसे ही तुम आती हो, सड़कों का सीमेंट पिघल जाता है, इमारतों का प्लास्टर उतर जाता है, और नालियाँ अपनी बाढ़ दिखाने लगती हैं। गड्ढों में कारें तैरती हैं, लोग दफ्तर से घर तक आने में जल-यात्रा पूरी कर लेते हैं। तुम्हारे नाम पर नाला-संरक्षण योजनाएं बनती है, बजट पास होते हैं, लेकिन तुम हर बार उन पर पानी फेर देती हो शाब्दिक और वास्तविक, दोनों अर्थों में।

तुम्हारे नाम पर फिल्मों ने भी खूब गीत रचे बरसो रे मेघा, बरसो, रिमझिम गिरे सावन। अब वही गीत सुनाई देता है तो लोग छाता खोजने लगते हैं। रोमांस की जगह रबर की चप्पलों का मौसम है। शादी-ब्याह, तिलक, मुंडन हर खुशी में तुम अपनी बूँदें लेकर बीच में घुस आती हो। और जब कार्यक्रम रद्द होता है, तो दूल्हा-दुल्हन दोनों तुम्हें कोसते हैं 'बरखा रानी, अबकी बार तो हद कर दी।' सच कहूँ तो अब तुम्हारी 'रानी गिरी' थोड़ी कम हो गई है। अब लोग तुम्हें स्नेह से नहीं, संदेह से देखते हैं। तुम्हारा आगमन राहत से ज्यादा भय लेकर आता है। और क्या करें, तुम्हारी बरसात ने सबको सतर्क बना दिया है। छाता अब जरूरत नहीं, सुरक्षा कवच बन गया है।

तुम्हारी सबसे बड़ी खासियत यह थी कि तुम सबको बराबर बरसती थीं। पर अब तो भेदभाव भी शुरू हो गया है। कहीं बाढ़, कहीं सूखा। एक ही राज्य के दो जिलों में तुम्हारा दोहरा चेहरा दिख जाता है। एक में नावें चलती हैं, दूसरे में नल सूखे रहते हैं। ये कौन-सी नीतिगत बरसात है। अगर यह भी 'डिजिटल मौसम नीति' का हिस्सा है, तो कृपया अपडेट दोबारा जारी करो। हम जनता क्या करें? शिकायत करें तो किससे? मौसम विभाग कहता है हमने चेतावनी दी थी। नगर निगम कहता है कि निकासी का काम जारी है। और तुम कहती हो मैं तो स्वभाव से बरसने वाली हूँ। सब अपने-अपने बचाव में लगे हैं, पर डूबता वही आम आदमी है, जिसकी मोटरसाइकिल रोज़ किसी गड्ढे में गिर जाती है।

रानी, एक बात याद रखो, जरूरत से ज्यादा टिकने वाला मेहमान चाहे इंसान हो या मौसम, दोनों थकान छोड़ जाते हैं। जब तुम्हारी पहली फुहार गिरी थी, सबने मुस्कराकर स्वागत किया था। अब वही लोग आकाश देखकर मन ही मन प्रार्थना करते हैं %हे भगवान, अब बस करो। इसलिए, रानी, अब विदा लो। खेतों को थोड़ा सूखने दो। सड़कों के गड्ढे भर जाने दो। सरकारी मरम्मत दलों को भी सांस लेने दो। शहर को अगले साल तक संभलने का मौका दो। जब फिर से धरती फट जाए, दरारें पड़ें और किसान आकाश की ओर टकटकी लगाए, तब लौट आना। उस समय तुम्हारा स्वागत होगा, आरती उतारी जाएगी, कविताएं फिर लिखी जाएँगी। लेकिन अभी नहीं। अभी बस विदाई गीत गुनगुनाने का वक्त है। कृपा कर जाओ, बरखा रानी। वरना लोग तुम्हारे नाम पर भी कर लगाने लगेंगे 'अत्यधिक वर्षा कर।'

अखिल भारतीय कालिदास समारोह

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

कालिदास की कविता भारतीय संस्कृति की दीपशिखा है

मेघदूत महाकवि की प्रतिभा का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। मन्दाक्रान्ता छंद के साथ-साथ बहता हुआ विरही यक्ष का दु:ख इतना दारुण होकर विश्व साहित्य के सहृदय रसिकों की आँखों से झरने लगेगा, यह तो कालिदास ने भी नहीं सोचा होगा। अभिशाप क्या होता है, और वह अभिशप्त को कितना असहाय और विवश कर देता है, यह तो बस कालिदास के अस्तंगतमहिमा वाले यक्ष से पूछो, या पूछो उस शकुन्तला से जिसने सर्वस्व पा कर भी अभिशाप के दंश को झेला। संवेदनशील कवि का कोमल हृदय एक वर्ष के लिये कान्ताविरहित किये गये यक्ष के लिये तड़प उठता है। भावनाओं और कल्पनाओं के समीकरण से विप्रलम्भ श्रृंगार ने मेघदूतम् में जिस शिखर को छुआ है, उस शिखर तक किसी और कवि की दृष्टि भी नहीं पहुँची। कालिदास एक छोटी सी लगने वाली घटना की गहराई में उतर कर अपनी कविता का स्वर ढूँढते हैं। मेघदूतम् में पद-पद पर विरहाकुल हृदय की मार्मिक वेदनाएँ आषाढ की काली घटाओं के साथ हमारे मानस पर छा जाती हैं।

कालिदास का नाम लेते ही वृहत्तर भारत की भावभूमि अपने सम्पूर्ण श्रृंगार के साथ सामने आ खड़ी होती है। वेदोपनिषद्, पुराण,रामायण, महाभारत सहित विपुल साहित्य-सम्पदा के होते हुए भी भारतीय चेतना को तृप्त करने का सामर्थ्य तो केवल कालिदास की कविता में ही है। कालिदास के पास परम्परा से मिला हुआ सब कुछ है, और उसकी महिमा का गान करने का कोई अवसर वे नहीं छोड़ते, फिर भी वे भविष्य में छलाँग भरते हुए विश्व के आधुनिकतम साहित्य में अपनी कविता के लिये पूजा का स्थान बनाये हुए हैं, तो केवल इसलिये कि वे न तो प्राचीन से चिपके रहे,और न ही नये को लेकर किसी तरह के आग्रह से बँधना स्वीकार किया।

कालिदास वाल्मीकि के प्रति कृतज्ञ हैं,और बड़े विनम्र भाव से रघुवंश के पावन चरित्र के मूल में प्रवेश करने का साहस दिखाते हैं। दिलीप-सुदक्षिणा,अज-इंदुमती की प्रणयकथाएँ कालिदास की स्फूर्त लेखनी का स्पर्श पाकर ही कालजयी हुईं। 'रघुवंश' महाकाव्य न हो, तो यह समझ पाना बड़ा कठिन है कि इतने बड़े-बड़े प्रतापी राजाओं के होते हुए भी वंश रघु के ही नाम से क्यों आगे चला। राम यदि रघुनंदन, राघव, और रघुपति कहलाते हैं तो इसमें रघु का उदात्त और पावन चरित्र ही मुख्य है, और यही बताने के लिये कालिदास ने रघुवंश महाकाव्य का प्रणयन किया। विशाल साम्राज्यों के इतिहास में रघु के साम्राज्य की तुलना में कोई भी नहीं ठहरता। चक्रवर्ती सम्राट् रघु दिग्विजय के लिये निकलते हैं, तो अखंड भारत के चप्पे-चप्पे पर महाराज रघु के पदचिह्न अंकित दिखाई देते हैं। सबको जीत कर भी सबको सर्वस्व लुटाकर अयोध्या के बाहर छोटी सी कुटिया में मिट्टी के दो-चार पात्र और वल्कल के सहारे राज-काज सम्हालने वाला राजर्षि रघु को छोड़ कर दूसरा नहीं हुआ।

कालिदास की कविता में रमने के लिये बड़ा ही खुला हुआ हृदय चाहिए। एकदम बंधनमुक्त,और अपने तर्कजाल को समेट कर उतरना होगा। अकेला कुमारसम्भवम् ही अस्ति का ऐसा महाकाव्य है, जो हिमवान् के घर से उठता है, और तारकासुर के आतंक का समूल नाश करने के लिये मैदान में आने से पूर्व त्रिलोकसुंदरी पार्वती के प्रणयकातर-चित्त और महायोगी शिव की ध्यान-मुद्रा के बीच सेतु बनाता हुआ प्रेम के ऐसे संसार में ले आता है, जो स्त्री-पुरुष के जीवन में आदिकाल से आकर्षण का केन्द्र रहा है। शिव और पार्वती संसार के माता-पिता कहे गये हैं । माता-पिता के प्रणय-प्रसंग और एकांत रति के मनोरम वर्णन करने का साहस कालिदास के अतिरिक्त और कौन कर सकता है। पार्वती के तापस सौन्दर्य और प्रिय को रिझाने के लिये जिस कठोरतम तपस्या का जिक्र कुमारसम्भवम् में है, वह हमारी लोक-संस्कृति में इतना रचा-बसा है कि कभी यह नहीं लगता कि कालिदास हमें अपनी भूमि से कहीं दूर ले आये हैं। पार्वती की तपस्या के आगे शिव खरीदे हुए दास की तरह खड़े दिखाई देते हैं, तो सहज ही नारी के त्याग और समर्पण के वे सारे सूत्र मंगलद्रव्यों की तरह लगने लगते हैं, जिनसे भारतीय समाज के शील की सुरम्य बुनावट हुई।

बड़ा आश्चर्य होता है कभी-कभी कि कालिदास के यहाँ शिव और पार्वती हैं, राम और सीता हैं, किन्तु राधा और कृष्ण नहीं है। दुष्यंत और शकुन्तला को छोड़ कर कोई भी महाभारतकालीन पात्र कालिदास के यहाँ नहीं। ये दोनों भी महाभारत केअंधेरे कोने से उठाये गये पात्र लगते हैं। कालिदास की लेखनी का ही चमत्कार है कि शकुंतला राधा से उन्नीस नहीं लगती। वह निसर्गकन्या के रूप में उन सभी सौन्दर्य-प्रतीकों का मान-मर्दन करती है, जिनसे हमारा पुराना साहित्यऔर इतिहास भरा पड़ा है। शकुंतला किसी राज-दरबार से नहीं आती। वह अनाथ की तरह छोड़ दी गई सन्तति है,और कण्व मुनि के आश्रम में पली है उसी तरह, जिस तरह लता-पादप, मृगछौने और अन्य प्रणियों के समूह पल रहे हैं वहाँ। पूरा का पूराअभिज्ञानशाकुन्तलम् उस आश्रम में है, जहाँ हस्तिनापुर के राजा को प्रवेश करने से पहले अपने राजसी तामझाम छोड़ने पड़ते हैं। निसर्गकन्या को देखते ही दुष्यंत के मुख से जो शब्द फूटते हैं, वे हैं 'अये लब्धं नेत्रनिर्वाणम्'। शकुंतला दिखाई देती है अनाघ्रात पुष्प की तरह, अनाविद्ध रत्न की तरह,उस मधु की तरह जिसका स्वाद नहीं चखा गया कभी। आश्रम में राजसी स्वभाव की उच्छृंखलता के जो दुष्परिणाम हुए, कालिदास बहुत सावधानीपूर्वक उनका रूपान्तर करते हैं।

पिता कण्व की अनुपस्थिति और अनसूया-प्रियंवदा जैसी निष्पाप सखियों की सरलता के चलते अखंड पुण्यों का फल कहे जाने वाले शकुन्तला के रूप पर न्यौछावर हो कर दुष्यन्त ने जो कदम उठाया, तत्कालीन विवाहशास्त्र में वह विधिसम्मत होते हुए भी कालिदास को ग्राह्य नहीं। कालिदास इसीलिये दुर्वासा के शाप की योजना के साथ दुष्यंत के स्मृतिलोप की कथा रचते हैं, और शकुन्तला को सुरक्षाचक्र के साथ लगभग वहीं पहुँचा देते हैं धरती और आकाश के मध्य दिव्य तपोवन में, जहाँ कभी शकुन्तला उच्चतर चेतना के रूप में जन्मी थी। सर्वदमन भरत का जन्म पार्थिव घटना नहीं है, वह भी कुमारसम्भवम् के स्कन्द की तरह अलौकिक है, किन्तु लोककल्याण के लिये है। इतने बरसों बाद भी अभिज्ञानशाकुन्तलम् अपने लिये पुनर्व्याख्या की अपेक्षा रखता है।

मेघदूत महाकवि की प्रतिभा का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। मन्दाक्रान्ता छंद के साथ-साथ बहता हुआ विरही यक्ष का दुःख इतना दारुण होकर विश्व साहित्य के सहृदय रसिकों की आँखों से झरने लगेगा, यह तो कालिदास ने भी नहीं सोचा होगा। अभिशाप क्या होता है, और वह अभिशप्त को कितना असहाय और विवश कर देता है, यह तो बस कालिदास के अस्तंगतमहिमा वाले यक्ष से पूछो, या पूछो उस शकुन्तला से जिसने सर्वस्व पा कर भी अभिशाप के दंश को झेला। संवेदनशील कवि का कोमल हृदय एक वर्ष के लिये कान्ताविरहित किये गये यक्ष के लिये तड़प उठता है। भावनाओं और कल्पनाओं के समीकरण से विप्रलम्भ श्रृंगार ने मेघदूतम् में जिस शिखर को छुआ है, उस शिखर तक किसी और कवि की दृष्टि भी नहीं पहुँची। कालिदास एक छोटी सी लगने वाली घटना की गहराई में उतर कर अपनी कविता का स्वर ढूँढते हैं। मेघदूतम् में पद-पद पर विरहाकुल हृदय की मार्मिक वेदनाएँ आषाढ की काली घटाओं के साथ हमारे मानस पर छा जाती हैं।

महाकवि कालिदास वर्तमान और भविष्य के कवि हैं। जैसे-जैसे जीवन कठिन होता जा रहा है, संवेदनाएँ अंधेरे में लुप्त होती जा रही हैं, आर्थिक-मानसिक-शारीरिक शोषण की घटनाएँ निरंतर बढ़ रही है, शासकों के सामने से सब आदर्श हटा लिये गये हैं और भारतीय संस्कृति के ऊपर लगातार खतरा मँडरा रहा है, वैसे-वैसे कालिदास और उनका सरस-मधुर काव्य बार-बार याद आ रहा है।

कालिदास हमारे मनोरंजन के लिये नहीं है, पंडितों की सभा में शुष्क वाद-विवाद के लिये नहीं है। वह हैं तो केवल हमारे अभिज्ञान के लिये, हमारे जीवन-उत्कर्ष के लिये,भारत की दिग्विजय के लिये, 'सरस्वती श्रुति महती महीयताम्' के साथ-साथ 'प्रवर्ततां प्रकृतिहिताय पार्थिवः' के लिये। कालिदास की कविता ही वह एकमात्र दीपशिखा है, जो भारतीय संस्कृति को बुरी दृष्टि से देखने वालों के मुख विवर्ण करने में समर्थ है।

जयंती पर विशेष

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्तंभकार हैं।

चंद्रकांत देवताले- मनुष्य की गरिमा और प्रतिरोध की कविता

हिंदी कविता के परिदृश्य में चंद्रकांत देवताले उन कवियों में गिने जाते हैं जिनके यहाँ कविता जीवन के यथार्थ से चली आती है। वह जीवन जिसमें भूख है, श्रम है, थकावट है, स्मृतियाँ हैं, प्रेम है और मनुष्य होने की अनिवार्य पीड़ा भी। वे कविता को सजावट नहीं, बल्कि जगह लेने वाला जीवन-सत्य मानते थे। इसलिए उनकी कविताएँ हमें सीधे भीतर संबोधित करती हैं, जैसे कोई शांत स्वर धीरे-से कहे–देखो, दुनिया को, जो छूट रही है।

गाँव से आया वह स्वर, जो शहर में खोया नहीं

चंद्रकांत देवताले का जन्म 7 नवम्बर 1936 को मध्यप्रदेश के मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के जौलखेड़ा गाँव में हुआ। गाँव उनके लिए सिर्फ जन्मभूमि नहीं था; वह कविता की मिट्टी, उसकी गंध और उसकी सांस था। खेत, पगडंडियाँ, घरों की धुँधली रोशनियाँ और काम से थके श्रमिकों के चेहरे–ये उनकी कविता में स्मृतियों की तरह नहीं, बल्कि जीवित अनुभव की तरह दर्ज हैं।

हिंदी में एम ए करने के बाद उन्होंने मुक्तिबोध पर पी एच डी की थी। उच्च शिक्षा के बाद वे इंदौर, उज्जैन, रतलाम के साहित्यिक परिवेश से जुड़े। इंदौर के सरकारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राध्यापक रहते हुए उनका कक्ष-संबंध केवल विषय को पढ़ाने का नहीं था। वे विद्यार्थियों से पूछा करते किस बात की आग है तुम्हारे भीतर? यह प्रश्न जीवन और मनुष्यता के प्रश्न थे। वे चाहते थे कि युवा अपने समय को सिर्फ देखकर नहीं, पहचानकर जिएँ।

कविता और सामाजिक चेतना

देवतालेजी की कविता में एक सीधी, बिना लाग-लपेट की भाषा है। वे अलंकार, भारी शब्दावली या जटिल संरचना पर भरोसा नहीं करते। उनकी कविता में भूख आँकड़ा नहीं रहती, वह एक चेहरा, एक देह, एक न बोल सकने वाली करुण पुकार बन जाती है–मैं उस सड़क पर चलता हूँ/ जहाँ भूख अपने आँसू चाटती है। यह केवल दृश्य का वर्णन नहीं, बल्कि जीवन का दाह है।उनकी कविताओं में स्त्री भी आती है–पर वह किसी भाव-भक्ति की मूर्ति बनकर नहीं, बल्कि संघर्ष और थकान से भरी मनुष्य की देह के रूप में। उनकी काव्य-दृष्टि किसी पर दया नहीं करती; वह बराबरी का हाथ बढ़ाती है।देवताले जी की संपूर्ण काव्य-यात्रा सामाजिक चेतना की यात्रा है। वे किसी भी रूप में अन्याय को स्वीकार करने वालों में नहीं थे। उनकी किताबें– हड्डियों में छिपा ज्वर (1973), दीवारों पर खून से (1975), लकड़बग्घा हँस रहा है (1980), रोशनी के मैदान की तरफ़ (1982), आग हर चीज़ में बताई गई थी (1987), पत्थर की बैंच (1996), और इतनी पत्थर रोशनी (2002), पत्थर फेंक रहा हूँ मैं (2010) और उजाड़ में संग्रहालय (2003) जैसी रचनाएँ– सिर्फ साहित्यिक उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि हमारे समय के दस्तावेज़ भी हैं।

उनकी बहुचर्चित कविता 'आकाश की जात' हिंदी कविता में एक ऊँचा पड़ाव है। यह कविता दरअसल सत्ता, समाज और विश्वास के जड़ बनते ढाँचे पर तीखा सवाल है– आखिर आकाश की जात क्या है? किस वर्ग, किस धर्म, किस सत्ता ने इसे बाँट रखा है? यह प्रश्न डर पैदा करता है। आकाश यदि सबका है तो मनुष्य क्यों बँटा और बाँटा गया? यह प्रश्न कविता में उठाना ही प्रतिरोध का आरंभ है। और देवताले इसे इस तरह कहते हैं कि पाठक बचकर नहीं जा सकता।

व्यक्तित्व –शांत स्वर, भीतर बेचैनी

देवतालेजी बातचीत में हमेशा सरल और संयत रहते थे। उनके भीतर कोई शोर नहीं था, लेकिन अन्याय के विरुद्ध एक धीमी, सघन आग थी। मैंने देवतालेजी के अवसान पर अपने स्मृतिलेख में लिखा था वे जब भी

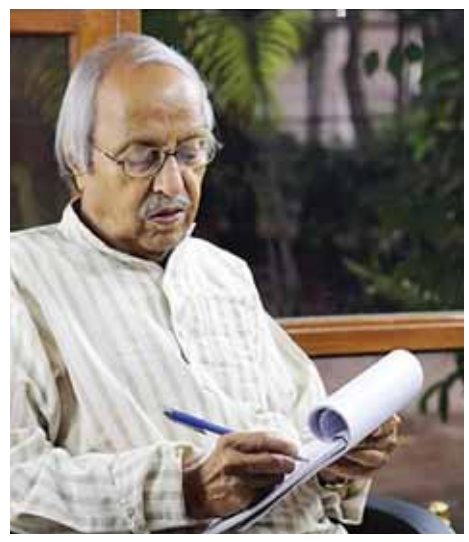

मिलते थे, हमेशा कुछ खोजने और समझने की बेचैनी साथ लाते थे। उनका साथ स्थिरता नहीं बल्कि जिज्ञासा और बेचैनी देता था। यही बेचैनी उनकी कविता की जान है। मेरा सौभाग्य रहा कि मैं देवताले जी का लगभग दो दशक सान्निध्य और आत्मीयता प्राप्त हुई। इंदौर/ उज्जैन में कार्य के दौरान उनकी गहरी नजदीकियां मिली, परिवार का अगाध स्नेह मिला। आज उनकी सीखें हमें लेखन कर्म में लगातार प्रेरणा देती है।

देवतालेजी एक तरफ जन-समस्याओं के कवि रहे हैं, तो दूसरी ओर उनकी कविताओं में गहन निजी स्वप्न और स्मृतियाँ भी हैं। वे माँ को याद करते हैं, पिता की थकान देखते हैं, बेटी को आशीष देते है, प्रेम को छूते हैं, और फिर लौटकर दुनिया को देखते हैं। उनकी संवेदना कभी भी केवल निजी नहीं रहती–वह हमेशा विश्व में फैलती है।

युवाओं के साथ उनका संवाद खुला और आत्मीय था। उनका स्वभाव युवाओं के साथ अधिक जंचता था। इंदौर, उज्जैन, रतलाम में साहित्यिक वातावरण में उनके साथ रहने वाले कई युवाओं को सान्निध्य और स्नेह प्राप्त हुआ। उनमें आशुतोष दुबे, रवींद्र व्यास, विनीत तिवारी, सुशोभित शक्तावत, आशीष दशोत्तर, पंकज शुक्ला, अरूण आदित्य, नीलोत्पल, कुमार अंबुज, पवन करण, अनिल करमेले, आशीष त्रिपाठी जैसे नाम उल्लेखनीय है। कई अवसरों पर महसूस/ अनुभव हुआ कि उनके भीतर न्याय के लिए बेचैनी, अमानवीयता के प्रति क्रोध, और मनुष्य के लिए अथाह गर्माहट थी। अनेक साथी अक्सर कहते हैं कि उनके साथ बैठना स्थिरता नहीं, सोचने और बदलने की बेचैनी देता था। वे जीवन और कविता को अलग नहीं मानते थे। उनके लिए कविता मनुष्य के पक्ष में खड़े होने की ज़मीन थी।

देवताले की कविताओं ने हिंदी संसार में एक गहरी दस्तक दी। वे स्थूलता में विश्वास नहीं रखते थे। उनकी दृष्टि सदा उस बारीक धूल को पकड़ने का प्रयास करती रही, जो हमारे समय और समाज को चुपचाप ढँकती जाती है। डॉ. जयकुमार 'जलज', डॉ. हरीश पाठक, रमाकुमार तिवारी जैसे उनके स्नेही स्मरणों में भी यह बात बार-बार आती है कि देवताले जी न सिर्फ एक बड़े कवि थे बल्कि एक बेहद आत्मीय, संवेदनशील और सहज मनुष्य भी।

घर की स्मृतियों से दुनिया की ओर

देवतालेजी की कविताओं में माँ आती है, पिता आते हैं, बेटी आती है–लेकिन वे निजी स्मृति बनकर नहीं ठहरते। वे जीवन की सार्वभौमिक अनुभूति का हिस्सा बन जाते हैं। वे लिखते हैं–कविता लिखते हुए/ मैं पृथ्वी के सबसे दुखी मनुष्य के साथ खड़ा होता हूँ। यह सिर्फ कवि का कथन नहीं, उनकी काव्य-नैतिकता है।

आज उन्हें याद करना क्यों महत्वपूर्ण है?

हम ऐसे समय में हैं– जहाँ संवेदना की जगह कम होती जा रही है, जहाँ मनुष्य की पीड़ा अक्सर अदृश्य कर दी जाती है, और जहाँ भाषा धीरे-धीरे बाजार और तमाशे में बदल रही है। ऐसे समय में चंद्रकांत देवताले की कविता हमें याद दिलाती है कि– कविता सिर्फ पढ़ने की चीज़ नहीं, जीने की चीज़ है। वे हमें अपनी चुप्पी पर संदेह करना सिखाते हैं। वे बताते हैं कि अगर हम मनुष्य की ओर नहीं हैं, तो हम जीवन की ओर नहीं हैं।

चंद्रकांत देवताले को याद करना केवल कवि को याद करना नहीं है। उन्हें याद करना उस मनुष्य को बचाना है, जो हमारे भीतर है और लगातार दबाया जा रहा है। उनकी कविता आज भी कहती है– आकाश सबका है/ मनुष्य भी सबका होना चाहिए। और शायद, यही स्मरण आज सबसे आवश्यक है।

दृष्टिकोण

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

व्यक्तित्व के साथ होना ही जीवन की सार्थकता

हर आयोजन बहुत सारे परिचित अपरिचित अनुपम और अपूर्व व्यक्तियों से मिलने का अवसर उपलब्ध कराता है। कोई भी सामाजिक आयोजन हो वह लोगों से मिलने जुलने का अवसर होता है। यहां एक साथ कई पीढ़ी के लोग मिलते हैं हर पीढ़ी का सवाल और उत्तर अलग अलग होता है। यहां पीढ़ियों से संवाद करने की कला आनी चाहिए जब हम पिछड़ी पीढ़ी से मिलते हैं और उनका सम्मान करते हैं तो उनकी आंखों में एक अलग ही चमक देखने को मिलती है । वहीं समकालीन पीढ़ी में एक अलग तरह का भाव होता है वहां पर मित्रता और उपयोगिता का सिद्धांत भी काम करता है पर यदि आप सबसे सहज मिलते जुलते हैं तो किसी तरह से कोई दिक्कत नहीं आती ।

वहीं जो अपने से छोटे हैं उनको आप महत्व देकर स्नेह देकर बात करते हैं तो एक अलग ही दुनिया बन जाती है। किसी को भी यह अच्छा लगने के लिए काफी होता है कि आपने उन्हें महत्व दिया। आज दुनिया में हर आदमी जब परेशान और भाग-दौड़ में घिरा है तो कोई उन्हें महत्व दे तो यह अपने आप में बहुत बड़ी बात हो जाती है। यह सब कुछ संभव होता है जब आप किसी न किसी आयोजन में जाते हैं। आयोजन का कोई भी स्तर क्यों न हो आपको वहां अपनी गरिमा के हिसाब से ही जाना चाहिए और सहज ढ़ंग से रहना चाहिए।

आयोजन बड़ा हो या छोटा महत्वपूर्ण यह होता है कि आप किस भाव को लेकर वहां गये हैं और क्या लेकर आये हैं। बड़ा से बड़ा आयोजन हो और वहां से खाकर यदि लौट आए तो कोई खास अर्थ नही बनता फिर तो यहीं लगता है कि आप खाना खाने गये हैं और खाकर लौट आए। मनुष्य होने का अर्थ है कि जहां आप जाएं वहां कोई आपसे कुछ सीखें और कुछ आप अन्य से सीखें यह तभी संभव होता है जब हम किसी को स्वीकार करते हैं किसी में कुछ अच्छा है तो उसे ग्रहण करना चाहिए अपने में कुछ खराब तत्व है तो उसे छोड़ना चाहिए। यह सब संभव तब होता है जब हम जहां जाएं वहां पूरेपन से जाएं वहां दिलचस्पी लें और केवल अपने मनोनुकूल चीजों को ही न देखें बल्कि उस दुनिया को भी देखें जो हमारे अनुरूप नहीं है उससे भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है। इस तरह जब कहीं हम जाते हैं तो कोई भी हमसे आक्रांत नहीं होता न ही वह हमें को बोझ की तरह लेता है। इस संसार में किसी पर भी बोझ की तरह लद जाना ठीक नहीं होता। आपके आने जाने से यदि आदमी अपने को समृद्ध न महसूस करें तो यह आपके व्यक्तित्व की कमी है। कोई भी किसी को कुछ नहीं देता पर जब कहीं आप आते जाते हैं तो अपना प्रभाव छोड़ते हैं, आपकी वजह से आदमी को सकारात्मक ऊर्जा मिलें इससे बढ़कर कुछ हो ही नहीं सकता। हर तरह की औपचारिकता से दूर होकर यदि आप अपनी उपस्थिति सहज रूप से दर्ज कराते हैं तो आयोजक से लेकर वहां उपस्थित सभी लोगों को आपका होना सुकून पहुंचाता है। जिंदगी बहुत बड़ी है और इस जिंदगी को खुशहाल अवस्था में जीना यदि नहीं आता तो आपको कुछ भी अच्छा नहीं लगेगा। बहुत बार ऐसा देखने में आता है कि आप अपने हाल में मस्त हैं पर औरों के लिए आपका होना संकटग्रस्त बना देता है लोग-बाग इस तरह से सोचने लगते हैं कि अरे अब ये यहां आ गये, अपनी दाल अब यहां नहीं गलेगी तो यहां से चलों बाबा। पर अपने राम को कोई कहीं भी आएं जाएं इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

यदि आप कहीं जाते हैं या कहीं से आते हैं तो इससे किसी और को कोई फर्क नहीं पड़ेगा सबसे पहले आपको ही फर्क पड़ता है। यदि किसी भी कार्यक्रम में जाकर आप अपने को चेतना के स्तर पर समृद्ध होते हैं तो जाना सार्थक होता है। कार्यक्रम में जाकर यदि यूं ही अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर चलें आएं तो आपके जाने को कोई भी ठीक से नहीं लेता। होना यानी अपने व्यक्तित्व के साथ होना ही अर्थमय होता है और इस तरह जब हम होते हैं तो दुनिया को बड़ा बनाने में भी हमारा योगदान होता है। बहुत सारे लोग इस तरह से भी आते हैं कि आएं हैं तो बढ़िया से स्वाद लेकर एक एक पदार्थ को चख कर आगे बढ़ेंगे। उनके लिए संसार को समझने का एक ही जरिया है कि अच्छे से खाओ पीओ और मगन रहो। इस तरह के लोग यह कहते हुए मिल जायेंगे कि चिंता करने के लिए बहुत सारे लोग पड़े हैं अपन तो चिंता करते ही नहीं, मस्त रहते हैं। मगन रहो दुनिया तो ऐसे ही चलती रहेगी क्या हैरान परेशान होना । हैरान परेशान लोगों को देखकर कह देते हैं कि इससे कुछ हासिल भी नहीं होता। जीवन को चेतना के आधार पर चलाना ही मूल रूप से जीवन को जीना होता है।

जीवन का यदि कोई उद्देश्य है तो जीवन को जीने का सार्थक अंदाज मिल जाता है। कोई भी किसी एक लक्ष्य को लेकर नहीं चलता न ही एक लक्ष्य से किसी को कुछ भी हांसिल होता । हर कोई अपने ही ढ़ंग से जीवन को देखना और समझना चाहता है। घर से बाहर की दुनिया एक सामाजिक आधार लेकर चलती है। जब आप बाहर निकलते हैं तो दुनिया के जितने रंग हैं वे सब एक साथ ऐसे मिलते हैं कि एकबारगी दुनिया अच्छे से आपको दिखने लगती है। आयोजन में जाकर यदि आप लोगों से मिलते जुलते हैं लोगों से बातचीत करते हैं घर परिवार का हाल चाल लेते हैं तो फिर पता चलता है कि कितनी बातें कितने सारे संदर्भ बदल गये हैं, कौन कहां है और कौन कहां चला गया और जो कहीं नहीं जा सका वह यहां रहते रहते दुनिया को किस तरह से देख रहा है या दुनिया उसके लिए कैसे हैं और वह किस तरह से दुनिया में अपने को रखकर चल रहा है या दुनिया को कैसा बनाना चाहता है। कोई भी क्यों न हो

सामाजिक आयोजन लोगों से मिलने अपने अपने संसार की चर्चा करते रहने और जीवन कैसा चल रहा है कौन कहां क्या कर रहा है आदि बातों और संदर्भों के लिए बहुत ही मुफीद जगह हुआ करती है। आप खाना खायें या न खायें आयोजन में जाने से मानसिक शारीरिक और सामाजिक रूप से रिचार्ज हो जाते हैं। जब बहुत सारे लोग बिना बात के ही परेशान से दिखते हैं तो लोगों को आनंद दशा में देखने की सबसे सुंदर जगह पारिवारिक सामाजिक कार्यक्रम ही हुआ करते हैं जहां आदमी अधूरेपन में नहीं पूरेपन मिलता है। बहुत सारे लोग इस तरह से मिलते हैं कि कल ही मिलें थे और फिर कल ही मिलेंगे पर मिलना जुलना भी कहां इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में आसान होता है। सामाजिक आयोजन में ही मिलना जुलना संभव होता है। चलिए अगले आयोजन में फिर मिलते हैं... दुनिया को जानने समझने के लिए पारिवारिक और सामाजिक आयोजन एक तरह से नई दुनिया लेकर आते हैं हर आयोजन कुछ और मित्रों से कुछ और दुनिया से मिलाता है...दुनिया को जानने समझने के लिए और दुनिया भर के मित्रों से मिलने के लिए हर आयोजन एक सामाजिक मंच बन जाता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर निकाली भव्य चुनरी पदयात्रा

पूर्व विधायक निलय डागा के नेतृत्व में ताप्ती यात्रा का भव्य आयोजन

बैतूल। कार्तिक पूर्णिमा के शुभावसर पर पूर्व विधायक निलय विनोद डागा और उनकी पत्नी श्रीमती दीपाली निलय डागा के नेतृत्व में आयोजित ताप्ती चुनरी पद यात्रा में श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। किसानों और गरीब वर्ग की समृद्धि की कामना के लिए आयोजित इस धार्मिक यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। चुनरी पद यात्रा की शुरुआत बुधवार प्रातः 7 बजे बैतूल के लक्ष्मी चौक स्थित प्राचीन शिव मंदिर में पूजन-अर्चन के साथ हुई। यह यात्रा थाना चौक, टिकारी अखाड़ा चौक, कारगिल चौक, सदर, ग्राम धनोरा, भट्टूस, महदगांव, डहरगांव और खेडी गांव से होते हुए दोपहर 3 बजे के लगभग ताप्ती घाट पहुंची। ताप्ती घाट पर सूर्यपुत्री और जीवनदायिनी मां ताप्ती को चुनरी अर्पित की गई। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। यात्रा के दौरान श्रद्धालु जय माता ताप्ती के जयकारे लगाते हुए उत्साह के साथ नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। श्रद्धालुओं का जोश देखते ही बनता था। पूर्व विधायक निलय डागा ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य मां ताप्ती की महिमा का प्रचार-प्रसार करना और क्षेत्र के किसानों एवं गरीब वर्ग की खुशहाली के लिए प्रार्थना करना है। उन्होंने 11 वर्षों तक यह यात्रा आयोजित करने का संकल्प लिया है। पिछले 8 वर्षों से श्री डागा और श्रीमती दीपाली डागा इस यात्रा का सफलतापूर्वक आयोजन कर रहे हैं। आज यह यात्रा बैतूल जिले के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल हो चुकी है।

महिलाओं और युवाओं की विशेष भागीदारी – इस यात्रा में महिलाओं, युवाओं और किसानों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली। श्रद्धालु ताप्ती घाट पर चुनरी अर्पित कर मां ताप्ती का आशीर्वाद लेने पहुंचे। पूर्व विधायक निलय डागा और श्रीमती दीपाली डागा ने यात्रा में भाग लेने वाले समस्त श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और इस आयोजन को उनकी आस्था और सहयोग का परिणाम बताया। ताप्ती चुनरी पद यात्रा, श्रद्धा, आस्था और क्षेत्रीय समृद्धि के लिए प्रार्थना का प्रतीक बन चुकी है।

जगह-जगह हुआ चुनरी पदयात्रा का भव्य स्वागत – बैतूल जिला मुख्यालय से मां ताप्ती घाट तक जगह-जगह चुनरी पद यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर स्वल्पाहार और जलपान की विशेष व्यवस्था की गई थी। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का सम्मान किया गया। गांव-गांव में श्रद्धालुओं का जोश और उत्साह देखने लायक था। यात्रा के स्वागत में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने भाग लिया। यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समर्पण का अनूठा उदाहरण बन गया।

जिले में एकता व सद्भाव की मिसाल बना गुरुनानकदेव जी का 556वां प्रकाश पर्व

● हजारों श्रद्धालुओं ने लिया लंगर प्रसादी का लाभ

बैतूल। शहर में इस बार श्री गुरुनानक देव जी का 556 वां प्रकाश पर्व पूर्ण हर्षोल्लास से सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शबद कीर्तन, कविता पाठ, अखंड पाठ, नगर कीर्तन यात्रा व लगातार पिछले पंद्रह दिनों पहले से गुरु ग्रंथ साहब का पाठ कर मनाया गया। सिंधी पंचायत बैतूल अध्यक्ष नरेन्द्र हिरानी एवं सचिव गजानंद बंटी मोटवानी ने बताया कि पूज्य सिंधी पंचायत के बैनर तले सामाजिक बंधुओं द्वारा झूलेलाल मंदिर में पिछले 15 दिनों से अखंड पाठ शुरू कर प्रतिदिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा था जिसका समापन आज बुधवार को गुरूनानक जयंती के अवसर पर मोहन कालोनी सिविल लाइन में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक एवं झूलेलाल मंदिर में 12 से 2 बजे तक भोग साहिब के बाद न्यू बैतूल स्कूल गंज में विशाल लंगर का आयोजन कर किया गया। लंगर में शहर हजारों गणमान्य लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। सिंधी समाज के वरिष्ठ सदस्य धीरज हिरानी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामाजिक बंधुओ के अलावा लंगर में पधारे सभी समाज के नागरिकों का आभार व्यक्त किया है।

बैकुंठ चतुर्दशीः त्रिमूर्ति नगर में शिव-विष्णु का अलौकिक 'हरिहर मिलन', भक्ति के संगम में डूबे श्रद्धालु

बाबा भोलेनाथ का डोला राजसी रथ में निकला, मध्य रात्रि को सांवरिया सेठ मंदिर में हुआ सृष्टि का दायित्व हस्तांतरण

धार। बैकुंठ चतुर्दशी के पावन पर्व पर, धार के त्रिमूर्ति नगर में मंगलवार मध्य रात्रि को भगवान शिव और भगवान विष्णु के मिलन का ऐतिहासिक और अलौकिक आयोजन हरिहर मिलन संपन्न हुआ। इस दिव्य क्षण को देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी उमड़े। यह आयोजन सनातन धर्म की शक्ति (शिव) और पालन (विष्णु) के एकीकरण का प्रतीक बना।

राजसी सवारी का भव्य स्वागत – श्री त्रिमूर्ति महादेव मंदिर से बाबा भोलेनाथ का डोला एक राजसी रथ में सवार होकर निकला। बाबा भोलेनाथ की यह सवारी त्रिमूर्ति नगर में भ्रमण करते हुए दल-बल सहित श्री सांवरिया सेठ मंदिर पहुँची। भक्तिपूर्ण माहौल रास्ते भर बाबा भोलेनाथ के रथ का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। महिलाओं ने आगे-आगे नाचते-गाते हुए शोभायात्रा की अगुआई की। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे रास्ते पटाखे छोड़े और रथ का स्वागत करते हुए बाबा भोलेनाथ को श्रीफल एवं फूलमाला अर्पित की।

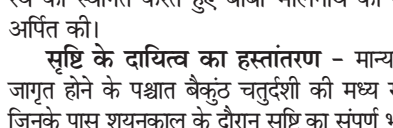

सृष्टि के दायित्व का हस्तांतरण – मान्यता है कि देवताओं के जागृत होने के पश्चात बैकुंठ चतुर्दशी की मध्य रात्रि को भगवान शिव, जिनके पास शयनकाल के दौरान सृष्टि का संपूर्ण भार होता है, वह दायित्व पुनः श्री हरि सांवरिया सेठ को सौंपते हैं। यह वह अलौकिक पल होता है जब हरि और हर का मिलन होता है।

समिति द्वारा पूजन – त्रिमूर्ति महादेव मंदिर से मंदिर अध्यक्ष अशोक मनोहर जोशी उनकी धर्मपत्नी सोनिया जोशी और समिति सदस्यों संतोष पांडेय, दशरथ सिग्गा , रितेश शर्मा और अजीत जैन ने बाबा भोलेनाथ का विधि विधान से पूजा अर्चना कर उन्हें रथ में विराजित किया। सांवरिया सेठ मंदिर पर, मंदिर अध्यक्ष स्वयं प्रकाश सोनी एवं उनकी धर्मपत्नी सरोज सोनी ने बाबा भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर अगवानी करते हुए भव्य स्वागत किया। हरिहर मिलन से पूर्व विधि-विधान से श्री सांवरिया सेठ मंदिर में भी पूजा अर्चना की गई। उपस्थित माता-बहनों ने नृत्य और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बाबा का अभिवादन किया। पूजन संपन्न होने के बाद प्रसादी वितरित की गई। त्रिमूर्ति नगर निवासी इस भव्य हरिहर मिलन सवारी के साक्षी बने और शक्ति तथा भक्ति के संगम को महसूस किया।

माचना नदी का जल और तट हमेशा स्वच्छ रहे : मंत्री उईके

मां माचना को ओढ़ाई 121 फीट की चुनरी

बैतूल। मां माचना सेवा समिति बैतूल द्वारा बुधवार मां माचना जयंती समारोह का आयोजन किया गया। प्राचीन माता मंदिर गंज पेट्रोल पंप से 121 फीट लंबी चुनरी की यात्रा बाजे गाजे के साथ निकाली गई। चुनरी यात्रा जयप्रकाश वार्ड स्थित दामा बाबा घाट माचना नदी पर पहुंची। यहा पर केन्द्रीय मंत्री डीडी उइके, जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नगर,नपाध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर ने माचना नदी का दुग्धाभिषेक, दीपदान और चुनरी भेंट की। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री डीडी उइके ने कहा कि माचना नदी का जल और तट हमेशा स्वच्छ रहे। इसके लिए प्रयास किया जाना चाहिए। वार्डवासियों को भी इसके लिए प्रेरित करे। एक तय स्थान पर कचरा फेंके। नदी में कचरा नहीं डाले। वही जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नगर ने कहा कि माचना नदी शहर में आते ही मैली हो जाती है। यह नदी जिस भी वार्ड से बहती है वहा वार्ड के लोगों द्वारा सफाई की जाए तो पूरी माचना स्वच्छ रहेगी। इसे एक अभियान के रुप में करना होगा। माचना साल भर स्वच्छ रहे। इसके लिए प्रयास किए जाने चाहिए। कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मां माचना सेवा समिति की अध्यक्ष सरिता राठौर ने सभी का आभार का माना। मंच संचालन शैलेन्द्र बिहारिया ने किया। इस मौके पर वार्ड पार्षद शोभा निरापूरे,संजय शुक्ला,दीपक राठौर,गुड्डू निरापूरे आदि उपस्थित रहे।

खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जीत और हार खेल का स्वाभाविक हिस्सा हैं: केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर

धार में अंडर-15 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ

धार । जिला क्रिकेट एसोसिएशन धार के तत्वावधान में आज अंडर-15 क्रिकेट स्पर्धा का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार) सावित्री ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी विजय बहादुर सिंह ठाकुर (नन्हे भैया) ने की। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप जोशी (कीका भाई) द्वारा केंद्रीय मंत्री का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया । इस अवसर पर उपाध्यक्ष धीरेंद्र दिघे, प्रमोद पाठक, आलोक दुबे, सचिव राजेंद्र सिंह चौहान, स्वराज तड़वाल, कपिल यादव, राम सोलंकी, डॉ. मुकुट सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे तथा सभी ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

अपने उद्बोधन में सावित्री ठाकुर ने कहा कि ÷खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। जीत और हार खेल का स्वाभाविक हिस्सा हैं। जब दो टीमें खेलती हैं तो एक को जीत और दूसरी को हार मिलना तय होता है, किंतु सच्ची खेल भावना यही है कि खिलाड़ी निष्ठा, अनुशासन और उत्साह के साथ मैदान में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।÷ अतिथियों द्वारा खरगोन एवं आलीराजपुर के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया । आज खेले गए प्रारंभिक मैच में अलीराजपुर एवं खरगोन जिले के बीच में खेला गया जिसमें खरगोन जिले ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया गया 45 ओवर में निर्धारित खरगोन की टीम 108 रन बनाकर ऑल आउट हो गई जिसमें आनंद किराडे और प्रणय चौहान ने 20-20 रनों का योगदान दिया जबकि अतिरिक्त रनों की संख्या 45 रही वहीं अलीराजपुर की ओर से केदार विश्वास सैयाम शाह ने तीन तीन एवं अविनाश ने दो ओर अंशुमान ने एक विकेट लिए। 108 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी की आलीराजपुर की टीम लक्ष्य गोस्वामी की घातक गेंदबाजी के आगे टिक नहीं सकी और पूरे टीम मात्र 68 रन बनाकर ऑल आउट हो गए। लक्ष्य गोस्वामी ने मात्र 3.5 ओवर में 22 रन देकर 6 विकेट लिए उन्होंने एक ओवर में पांच विकेट लिए जो कि एक रिकॉर्ड है। तनिष्क और प्रणय ने दो-दो विकेट लिए अलीराजपुर की ओर से अनंत बारिया ने नाबाद 29 और रोशन ने 14 रनों का योगदान दिया लक्ष्य गोस्वामी को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैन ऑफ द मैच दवा व्यवसायी विनोद मित्तल ने दिया। 6 नवंबर को खंडवा और झाबुआ जिले के मध्य मैच खेला जाएग कार्यक्रम के दौरान जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव राजेंद्र सिंह चौहान ने एसोसिएशन की गतिविधियों एवं प्रतियोगिता के आयोजन से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन एवं परिचय एसोसिएशन के प्रवक्ता रामगोपाल शर्मा द्वारा किया गया।

दीपावली मिलन , 150 से ज्यादा गांवों के राजपूत समाजजनों का जमावड़ा, घाटा बिल्लौद में हुए एकत्रित

शादी विवाह में फिजूलखर्ची रोकने, खर्च को सीमित करने की बात पर सहमति, खेती के साथ रोजगार के अन्य विकल्प पर भी हो ध्यान

धार। आज राजपूत समाज में सर्वाधिक फिजूलखर्ची शादी विवाह टीका तेवारी में हो रही है, इससे समाज का बड़ा वर्ग कर्ज में डूब रहा है। समाज में फिजूल खर्च रोकने के साथ आयोजनों में सीमित मेहमानों को बुलाने पर विचार करने की आवश्यकता है, आज नहीं रुके तो आने वाला समय वर्तमान ओर आने वाली पीढ़ी हमको माफ नहीं करेगी। आवश्यकता है शिक्षा को बेहतर करने की। घाटाबिल्लौद के रामानंद गार्डन में मंगलवार सुबह से राजपूत समाजजनों की चहल पहल रही। सुबह 10 बजे से आसपास के 150 से ज्यादा गांव के राजपूत समाजजन बड़ी संख्या में एकत्रित होना शुरू हो गए थे। ठीक 11बजे राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ दीपावली मिलन समारोह की शुरुआत हुई। कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने राजपूत समाज में शादी विवाह और अन्य कार्यक्रमों में लगातार बढ़ती अनाप शनाप फिजूल खर्ची को सीमित करने और खर्च को दायरे में रखने के साथ ही विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम में अतिथि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश प्रभारी दिलीप सिंह पवार लसुड़िया, दूले सिंह राठौर निपानिया, घटाबिल्लौद राजपूत समाज सामूहिक विवाह समिति काशीराम देवड़ा, उदय सिंह पवार मेठवाड़ा, हेमसिंह उटावद, उदयसिंह ऊपडी, भेरू सिंह पटेल घाटा बिल्लौद, प्रेम सिंह झाड़ी बरोदा, सुरेश सिंह मोथला आदि थे। दूले सिंह राठौर ने वर्तमान समय में सामाजिक परिदृश्य में आ रही कुरीतियों के बारे में विस्तार से समझाया और इन्हें दूर करने का आव्हान किया। श्री राठौर ने कहा कि हम बढ़ चढ़कर बड़े-बड़े आयोजन करते हैं जिससे व्यक्ति की आर्थिक स्थिति समाज में कमजोर है वह भी देखा देखी शादी विवाह में अनावश्यक खर्च कर रहा है इसे सीमित करने की आवश्यकता है। बालिका शिक्षा को आगे बढ़ाने की महती आवश्यकता पर भी दुले सिंह ने विस्तार से प्रकाश डाला। उदय सिंह पवार मेंठवाडा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सब का उद्देश्य किसी भी परंपरा या रीति रिवाज को रोकना नहीं है बंद करना नहीं है हमें यह ज्ञान होना चाहिए की परंपराएं और रीति रिवाज सीमित मात्रा में और रिश्तेदार परिवार जनों के बीच हो जिससे कि आर्थिक बोझ तो कम होगा ही, बेवजह के फिजूल खर्चों से भी मुक्ति मिलेगी।आयोजन में विशेष रूप से मोहन सिंह कुवरसी, नारायण सिंह कुवरसी, माधव सिंह सगड़ी, कैलाश पटेल गुणवाद, भारत पटेल ,देदला, मलखान सिंह जी सांगवी, मुकेश सिंह मंत्री बडछपरा,निर्भर सिंह पटेल एकलदूना, सुरेश सिंह मोथला,बलराम पटेल पिपलिया, सुरेश सिंह मिंडा,भारत देवड़ा चंबल बरोदा, केवलसिंह पलवाड़ा, विकास सिंह पटेल, कलसाडा, दिनेश कामदार नवल सिंह डीगलाए, नागू सिंह सिलोदा, भगवान सिंह पटेल अनारद,मेहरबान सिंह मोथला , मोहन पटेल नेकपुर, लक्की बगोदा,महेश पटेल घटोदा आदि शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन कमलेश्वर सिंह सिसोदिया।

बारात में नाच गाना, लड़कियों के डांस का चलन हमारी परंपरा नहीं – दिलीप सिंह पवार लसूड़िया ने बताया कि हम बारात में डीजे और लड़कियों डांस बढ़ावा दे रहे हैं हमारी परंपरा का हिस्सा नहीं है इससे समाज में नौजवान पीढ़ी पर विपरीत असर पढ़ रहा है यह हमारे लिए घातक है ऐसी व्यवस्थाओं को रोकना चाहिए।

यह करेंगे दहेज मुक्त शादी – कार्यक्रम के दौरान समाज में फिजूल खर्ची पर रोक लगाने और सीमित शगुन या दहेज मुक्त शादी करने वालों का संकल्प भी लिया गया। इसमें प्रमुख रूप से बने सिंह देलमी, चंदर सिंह देलमी, मेहरबान सिंह मोरगांव, जितेंद्र सिंह भीचोली, दिलीप सिंह पटेल कलसाडा, बद्री सिंह पटेल एकलदूना, इंदर सिंह सेजवानी, बनेसिंह जी कमदपर, अर्जुन सिंह भीचोली आदि ने अपने लड़कों की शादी को शादी में दहेज मुक्त शादी करने का संकल्प लिया इसके साथ ही एक दर्जन से ज्यादा समाज जनों ने ने अपने लडको की शादी में दहेज नहीं लेने की बात पर सहमति भी दी।

वन सुरक्षा समिति ने किया झूठे आरोपों का खंडन

कहा- अवैध कटाई करते पकड़े गए, तो अब आरोपी बदनाम करने की कोशिश में

बैतूल/भौंरा। वन परिक्षेत्र भौंरा के मालीखेड़ा क्षेत्र में हाल ही में हुई कार्रवाई को लेकर लगाए गए मारपीट, अभद्रता और अवैध वसूली के आरोपों को लेकर वन सुरक्षा समिति पंछी ने सख्त आपत्ति जताई है। समिति ने पंचनामा तैयार कर स्पष्ट किया है कि यह आरोप पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं, जिन्हें अवैध कटाई में पकड़े गए आरोपियों द्वारा वन विभाग और समिति की साख धूमिल करने के उद्देश्य से फैलाया गया है। वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष गोपाल चौहान और सदस्यों द्वारा सोमवार को तैयार किए गए पंचनामा में विस्तार से बताया गया कि तीनों आरोपी राजकुमार टोकरा, संतोष जामनगरी और मुकेश खपरिया वन परीक्षित क्षेत्र में अवैध रूप से लकड़ी की कटाई कर रहे थे। इस बात की जानकारी मिलते ही समिति के सदस्यों ने सतर्कता दिखाई और इसकी सूचना तुरंत वन परिक्षेत्र अधिकारी भौंरा को दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम के साथ समिति के सदस्यों ने मिलकर घेराबंदी कर आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा। मौके से दो मोटरसाइकिलें और लकड़ी बरामद की गईं, जिन्हें जब्त कर विभाग ने भौंरा कार्यालय लाया। समिति ने कहा कि कार्रवाई पूरी तरह नियमों के तहत की गई थी और इसमें किसी प्रकार की मारपीट, अभद्रता या धन की मांग नहीं की गई थी। समिति के पंचनामा में यह भी दर्ज किया गया कि जिन व्यक्तियों को अवैध कटाई करते हुए पकड़ा गया, उन्होंने अपनी करतूत छिपाने और विभागीय कार्यवाही से बचने के लिए वन विभाग के कर्मचारियों और समिति के सदस्यों पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें बदनाम करने की साजिश रची है।

गाड़ाघाट सरस्वती शिशु मंदिर में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम आयोजित

● कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण संरक्षण पर हुई सार्थक चर्चा

● संस्था की संचालिका रुक्मणी सोनारे और सहयोगी छाया चंदेल को उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए किया सम्मानित

बैतूल। सरस्वती शिशु मंदिर गाड़ाघाट में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण संरक्षण विषयों पर आमंत्रित अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए कार्य करने वाली सेवा भावी संस्था की संचालिका रुक्मणी सोनारे और सहयोगी छाया चंदेल को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संघ विभिन्न विषयों को लेकर जनमानस के बीच जा रहा है। इसी कड़ी में गाड़ाघाट स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण संरक्षण पर विचार-विमर्श का आयोजन किया गया। कुटुंब प्रबोधन विषय पर तरुणा द्विवेदी ने कहा कि आज के दौर में संयुक्त परिवार समाप्त होते जा रहे हैं और रिश्तों में संवेदनहीनता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम दूर रहकर भी मन से जुड़े रहें, तभी सशक्त परिवार और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। पर्यावरण संरक्षण विषय पर निमिषा शुक्ला ने कहा कि आज हवा, पानी और मिट्टी सभी प्रदूषण की चपेट में हैं। महानगरों में तो हवा इतनी दूषित हो गई है कि सांस के साथ जहर भी शरीर में जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि हमने अभी ध्यान नहीं दिया तो आने वाली पीढियों को स्वस्थ वातावरण देना कठिन होगा। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य प्रीति बाथरी दीदी, भैया-बहन और माताएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन ऊषा किरण वर्मा दीदी ने किया तथा आभार प्रदर्शन ममता बटुकले दीदी ने किया।

श्री सिद्धचक्र मण्डल विधान का आयोजन संपन्न

विश्वज्ञेय मुनिराज का केश लोचन भी हुआ

धार । धार की पावन धरा पर विराजित उपाध्याय श्री विभंजन सागर जी मुनिराज ससंघके पावन सानिध्य में ब्रह्मचारी पंकज भैया जी के मार्गदर्शन प्रगति दीदी के निर्देशन में भक्तिमय सिद्ध चक्र मंडल विधान पूजन सम्पन्न हुआ। मुनिश्री विश्वज्ञेय मुनिराज के केशलोच संपन्न हुए ।इस शुभ अवसर पर मण्डल विधान के मुख्य पात्र सोधर्म इंद्र विमलचंद नवीन, प्रवीण गोधा परिवार के निवास स्थान से मंगल आरती यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा मंदिर जी से सभी इंद्र परिवारो के निवास स्थान पर गई। यात्रा का इंद्र परिवारों द्वारा व समाज के सदस्यों ने भव्य स्वागत किया । यात्रा का समापन संत सदन में मण्डल विधान व मुनि श्री की आरती कर समापन हुआ। मुनि श्री की मंगल प्रेरणा एवं आशीर्वाद से जैन समाज की पुरानी धर्मशाला के स्थान पर नवीन धर्मशाला का निर्माण शीघ्र ही होने जा रहा है। निर्माण कार्य में विशेष रूप से सहयोग इंदौर निवासी जैन समाज के प्रसिद्ध दानवीर समाजसेवी भरत , कुसुम मोदी परिवार के द्वारा अपनी ओर से सहयोग समाज को प्रदान किया। विशेष सहयोग संजय पाटोदी इंदौर का रहा। दानवीर समाज श्रेष्ठी का धार समाज द्वारा सम्मान किया गया। विधान के सपापन पर सभी इंद्र परिवारों का सम्मान समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल सचिव संजय छाबड़ा व सभी पदाधिकारीगण ने किया। जानकारी मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल द्वारा दी गई।

अब 21 नवंबर को होगी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

गायत्री परिवार ने बदली तिथि, स्कूलों में अर्धवार्षिक परीक्षा के कारण लिया निर्णय

बैतूल। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा-2025 की तिथि में परिवर्तन किया गया है। पूर्व निर्धारित 7 नवंबर के स्थान पर अब यह परीक्षा 21 नवंबर, शुक्रवार को दोपहर 12 से 1 बजे तक आयोजित की जाएगी। गायत्री परिवार के रविशंकर पारखे ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में चल रही अर्धवार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा यह निर्णय लिया गया है। जिला समन्वयक डॉ. कैलाश वर्मा एवं भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के संयोजक गुलाबराव चिल्हाटे ने जिले के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रभारी शिक्षकों से परीक्षा संचालन में सहयोग करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और नॉमिनल रोल समय पर भेजे जाएं ताकि परीक्षा का संचालन सुव्यवस्थित रूप से हो सके। साथ ही, गायत्री परिवार के सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं से भी परीक्षा में सहयोग एवं व्यवस्था बनाने का अनुरोध किया गया है, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने विभागीय योजनाओं तथा कार्यो में गति लाने के दिए निर्देश

कुपोषणमुक्ति के लिए मिशन के रूप में करें काम

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की विभागीय कार्यो की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभिन्न विभागों की विभागीय योजनाओं तथा निर्माण कार्यो की प्रगति और सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों से कहा कि विभागीय कार्यो में गति लाएं। प्रगतिरत कार्यो को शीघ्र पूर्ण कराएं तथा जो कार्य स्वीकृत होग गए हैं, लेकिन अभी प्रारंभ नहीं हुए हैं उन्हें भी शीघ्र प्रारंभ कराएं।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उप संचालक कृषि श्री केपी भगत से जिले में प्राकृतिक खेती के रकबे को बढ़ाने हेतु कलस्टर विकसित करने किए अभी तक किए गए प्रयासों की जानकारी लेते हुए कहा कि प्रयासों के परिणाम धरातल पर प्रदर्शित होने चाहिए। प्राकृतिक खेती के इच्छुक किसानों से संवाद कर उन्हें प्रशिक्षण प्रदाय किया जाए। उन्होंने पराली के उचित प्रबंधन

हेतु किए जा रहे कार्यो की जानकारी लेते हुए कहा कि जहां पराली जलाने की अधिक शिकायतें आएं, वहां किसान संगठनों से चर्चा करें तथा इसके बाद भी पराली जलाने की घटनाएं होने पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने भावांतर योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी एसडीएम और कृषि अधिकारियों को कृषि उपज मंडियों का सतत् भ्रमण करने के भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त सब्जी कलस्टर तथा मत्स्य पालन हेतु बायो फ्लैक यूनिट स्थापित किए जाने संबंधी जानकारी लेते हुए निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मातृ-शिशु स्वास्थ्य में सुधार हेतु दिए गए निर्देशों के अनुरूप की जा रही कार्यवाही की जानकारी ली। उन्होंने जिले में सुरक्षित प्रसव हेतु हाईरिस्क वाली गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन के साथ ही उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। साथ ही स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग के अमले द्वारा डोर टू डोर सर्वे किए जाने के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने एनआरसी में भर्ती बच्चों की जानकारी लेते हुए कहा कि जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग तथा महिला बाल विकास विभाग समन्वय के साथ काम करें। डोर टू डोर सर्वे कर कुपोषित बच्चों को चिन्हित करते हुए उन्हें कुपोषण की श्रेणी से बाहर निकालने हेतु प्राथमिकता से काम किया जाए।

जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने डेयरी एवं पशुपालन विभाग, महिला बाल विकास विभाग, सहकारिता विभाग, सामाजिक न्याय, खनिज विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यो और योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। साथ ही विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों तथा निराकरण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयावधि में सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सहायक कलेक्टर श्री अंकित कुमार जैन तथा श्री कुलदीप पटेल, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ तथा विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश पर जिले में जल स्त्रोंतों पर बनाए जा रहे हैं बोरी बंधान

सीहोर (निप्र)। जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देश पर जिले में बोरी बंधान बनाकर वर्षा जल को रोकने का कार्य किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य वर्षा के अधिक से अधिक पानी को संग्रहित करना है, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सके। बोरी बंधान से एक ओर जहां खेतों में नमी बनी रहेगी, वहीं दूसरी ओर गांवों में पेयजल और मवेशियों के लिए भी पानी की कमी नहीं होगी। प्रशासन का प्रयास है कि जल संरक्षण के इस अभियान में ग्रामीण जन भी सक्रिय रूप से भागीदारी निभाएं, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हर ग्राम पंचायत में संभावित जल स्त्रोतों पर बोरी बंधान बनाने की कार्रवाई समय पर पूर्ण की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी क्षेत्र में पानी व्यर्थ न बहे।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल ने बरेली में आयोजित बैठक में शासकीय योजनाओं तथा विकास कार्यों की समीक्षा की

रायसेन (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल द्वारा आज किसान सभा कक्ष बरेली में विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा जनता तक शासन की योजनाओं के लाभ को सुनिश्चित करने के विषय पर विस्तृत चर्चा कर दिया निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा है जनसेवा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और विकास के प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता एवं गति दोनों आवश्यक हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार जनकल्याण के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ रही है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुँचे, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब न हो।

नरवाई प्रबंधन कार्यशाला एवं कृषक सेमिनार का हुआ आयोजन

बैतूल (निप्र)। कृषि अभियांत्रिकी विभाग बैतूल द्वारा घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम आमागोहान में सोमवार को नरवाई प्रबंधन कार्यशाला एवं कृषक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे ने की। इस अवसर पर संचालनालय कृषि अभियांत्रिकी भोपाल द्वारा हितग्राही श्री अनुज इवने पिता श्री सियाराम इवने के निजी कस्टम हायरिंग सेंटर का शुभारंभ एवं निरीक्षण किया गया। उल्लेखनीय है कि 15 लाख रुपये के प्रोजेक्ट में कृषक अनुज इवने द्वारा ट्रैक्टर, थ्रेशर, प्लाउ, सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, रोटावेटर एवं कल्टीवेटर खरीदे गए हैं। इस पर विभाग द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मेकेनाइजेशन योजना अंतर्गत अधिकतम 40 प्रतिशत अनुदान की पात्रता प्राप्त है। कार्यक्रम में सहायक कृषि यंत्री डॉ. प्रमोद मीणा ने किसानों को नरवाई न जलाने के लिए प्रेरित किया एवं सुपर सीडर तथा मल्चर जैसे आधुनिक यंत्रों के उपयोग से फसल अवशेष प्रबंधन के लाभों की जानकारी दी। इस अवसर पर जनपद सदस्य श्रीमती इंदु डयार बारसे, सरपंच श्री अमित कुमरे, नीमपानी सरपंच संजू अहाके, पंजाब नेशनल बैंक शाखा प्रबंधक श्री जितेंद्र कुमार नरवरे, क्षेत्रीय कृषक बंधु एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय जांच दल द्वारा कीटनाशक विक्रेताओं की दुकानों का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार तथा उपसंचालक कृषि श्री केपी भगत के मार्गदर्शन में सोमवार को जिला मुख्यालय रायसेन में कीटनाशक गुण नियंत्रण हेतु विशेष अभियान चलाया गया। जिसके तहत रायसेन में जिला स्तरीय जांच दल द्वारा विभिन्न कीटनाशक औषधि विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया तथा उनके स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। इसी कड़ी में पटेल ब्रदर्स बीज भंडार, किसान एग्रो एजेंसी, गौर एग्रो एजेंसी, लक्ष्मी इंटरप्राइजेज एवं विधि कृषि सेवा केन्द्र रायसेन का निरीक्षण किया गया एवं नियमानुसार व्यापार करने हेतु निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कीटनाशक अधिनियम 1968 का उल्लंघन पाए जाने पर मेसर्स पटेल ब्रदर्स बीज भंडार रायसेन के प्रतिष्ठान को सील किया गया। इसके अतिरिक्त लक्ष्मी इंटरप्राइजेज रायसेन का लायसेंस निलंबित किए जाने, विधि कृषि सेवा केन्द्र और गौर एग्रो एजेंसी रायसेन को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने की कार्यवाही की जा रही है। सात दिवस के अंदर संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होने की स्थिति में जारी कीटनाशक लाइसेंस निलंबन/निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी। विभाग की ओर से किसानों को उत्तम गुणवत्ता का कृषि आदान उपलब्ध हो सके इस हेतु अभियान चलाया जाकर निरीक्षण किया जा रहा है। जांच दल में सहायक संचालक श्री जितेन्द्र कुमार नामदेव, सहायक संचालक श्री दुष्यंत कुमार धाकड, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री केके ठाकुर एवं प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री एसके त्रिपाठी उपस्थित रहे।

पोषण संजीवनी अभियान से कुपोषण मुक्त हो रहा विदिशा

विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले के विकासखण्ड सिरोंज नगर पालिका क्षेत्र वार्ड 16 में 02 वर्ष आयु की बालिका पलक केवट पुत्री मनीष केवट ध् विनिता केवट जो कि गंभीर कुपोषण से ग्रस्त थी एवं पेर में समस्या होने के कारण खड़ी नहीं हो सकती है। बालिका के पिता गनीष केवट मोटरवाईडिंग की दुकान पर काम करते है एवं उनकी आर्थिक स्थिति भी ज्यादा ठीक नहीं है, आंगनबाडी कार्यकर्ता हेमलताजाटव के प्रयास से 17 अगस्त 2025 को पलक केवट को पोषण पुर्नवास केन्द्र सिरोंज में भर्ती कराया गया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा विदिशा जिले को कुपोषण से मुक्त करने हेतु नवाचार के रूप में ' पोषण संजीवनी अभियानष् कुपोषण मुक्त विदिशा की शुरूआत की थी। उक्त अभियान अंतर्गत बालिका पलक केवट को चिन्हित किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक कुपोषित बच्चें को 3 माह के लिए 3000 रू की खाद्य सामग्री सुपोषण किट के रूप में वितरित की गई है। 19 नवम्बर 2025 को पलक केवट के माता-पिता को सुपोषण किट प्रदायकी गई। बच्चों के उपयोग हेतु दी जाने वाली किट में सूखा राशन पैक, मुरमुरा, वेसन, गुड, मूग दाल, पोहा, चावल, आटा, घी, मसाले आदि एवं गर्भवती वशिशुवति माताओ के लिए पौष्टिक लड्डू बनाने के लिए राशन सामग्री किट मे दी गई।

बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु पौष्टिक व्यंजनों की रैसिपी पुस्तिका एवंस्वास्थ्य संबंधी फ्लिप बुक उपलब्ध कराई गई। आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा माता पिता को पोषण का महत्व समझाया और घरेलू तरीकों से सुपोषण किट की खाद्य सामग्री से पौष्टिक भोजन तैयार करने की विधि का प्रशिक्षण दिया एवं प्रत्येक 15 दिवस में बालिका पलक केवट का वजन ले कर सतत निगरानी की गई। परिणाम के रूप में बालिका पलक के वजन में वृद्धि हुई एवं वर्तमान में पलक केवट सामान्यश्रेणी में है पूर्णता स्वस्थ है।

विशेष अभियान चलाकर तीन दिन में होगा फसल नुकसानी का पुनः सर्वे

केंद्रीय मंत्री श्री उईके और विधायक श्री खंडेलवाल सहित सभी विधायकों की उपस्थित में समीक्षा बैठक आयोजित

बैतूल (निप्र)। दीपावाली के पश्चात हुई बारिश के बाद जिले में हुई भारी फसल नुकसानी पर विधायक बैतूल एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमन्त खंडेलवाल ने चिंता व्यक्त करते हुए पुनः सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चूंकि एक सर्वे पहले हो चुका हैं, जिसमें ऐसे कई किसान छूट गए हैं, जिनकी फसल हालही में हुई बारिश के कारण खराब हुई है। ऐसे सभी किसानों का सर्वे किया जाएं, ताकि कोई भी प्रभावित किसान आर्थिक सहायता से वंचित न रहे। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में फसल नुकसानी, खाद वितरण और मंडी व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय मंत्री जनजातीय कार्य श्री दुर्गादास उईके, विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, विधायक आमला डॉ योगेश पंडाग्रे, विधायक मुलताई श्री चंद्रशेखर देशमुख, विधायक भैंसदेही श्री महेंद्र सिंह चौहान तथा कलेक्टर बैतूल श्री नरेन्द्र कुमार सहित कृषि विभाग, सहकारिता एवं मंडी के अधिकारी उपस्थित रहें। विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके वर्चुअली बैठक में शामिल हुई। केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने कहा कि किसानों के फसल सर्वे ओर बीमा कंपनी के इंटीमेशन का कार्य पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से पूर्ण किया जाएं। समस्त संबंधी विभाग अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सर्वे पूर्ण कराएं। सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि जिले में ग्राम पंचायत स्तर तक विशेष अभियान चलाकर आगमी तीन दिनों में सर्वे कार्य पूर्ण कराएं और किसानों को आर्थिक सहायता दी जाएं। उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि फसल बीमा क्लेम की राशि से भी कोई बीमित किसान वंचित न रहें। जिले में सवा लाख से अधिक किसान बीमित है, सभी किसानों का इंटीमेशन (शिकायत) दर्ज कराए हैं। जोकि सभी के लिए चिंता की बात हैं। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि कृषि, जनपद और राजस्व का अमला अपने क्षेत्र में फील्ड विजिट करें और सभी प्रभावित किसानों से संपर्क कर उनका बीमा कंपनी के पोर्टल पर तीन दिन के अंदर इंटीमेशन दर्ज कराए। इसी प्रकार रेवेन्यू के अमला भी फील्ड में जाकर पुनः सर्वे करें। जिससे किसान आरबीसी 6(4) के तहत आर्थिक सहायता और बीमा कंपनी की राशि प्राप्त हो सके। विधायक डॉ पंडाग्रे ने भी कहा कि राजस्व सर्वे और बीमा कंपनी को प्राप्त इंटीमेशन में विसंगति न हो। इसके लिए कृषि विभाग बीमा कंपनी के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि राजस्व और कृषि विभाग का दल तीन दिन में सर्वे का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराएं। सर्वे में कोई भी प्रभावित किसान न छुटे। सर्वे के पश्चात उन्हें शीघ्र आर्थिक सहायता का भुगतान भी किया जाएं। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि बैतूल जिले सहित प्रदेश में पर्याप्त खाद उपलब्ध हैं।

विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक

टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 के तहत आयोजित की जा रही हैं अनेक जागरूकता गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में संचालित किए जा रहे 'टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0' के तहत जिले में अनेक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अभियान के तहत स्कूल बच्चों द्वारा जिला चिकित्सालय सहित जिले के विभिन्न स्कूलों में तंबाकू एवं निकोटिन उत्पादों के दुष्प्रभावों पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और समुदाय को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से जागरूक करना तथा तंबाकू मुक्त जीवन की प्रेरणा देना था। नोडल अधिकारी डॉ नेहा सिंह ने बताया कि अभियान के तहत मॉडल नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान, सामाजिक प्रभाव तथा लत से मुक्ति के उपायों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर दर्शकों ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की और तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इसके साथ ही कार्यक्रम में बच्चों को श्व-सिगरेट (इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट) के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 09 अक्टूबर से 09 दिसंबर तक 60 दिवसीय विशेष अभियान 'टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0' चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू से होने वाली घातक बीमारियों से बचाना और जागरूक करना है। शासन द्वारा अभियान के तहत सीहोर जिले के 400 स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य प्रदान करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए है। जिसके प्रथम चरण में सीहोर जिले के 100 स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाने के का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के उद्देश्य से जिले में अनेक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ताकि सभी स्कूलों के साथ ही जिले को भी तंबाकू मुक्त जिला बनाया जा सके। इस अभियान में शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अनेक विभागों द्वारा सहभागिता की जा रही है।

जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति एसेसिवल इलेक्शन की बैठक संपन्न

हरदा (निप्र)। स्वीप के तहत् जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति एसेसिवल इलेक्शन की बैठक सोमवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली जोसेफ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में एसेसिवल इलेक्शन से संबंधित निर्वाचन आयोग के निर्देशों से अवगत कराया गया। बैठक में विशेष रूप से पीडब्ल्यूडी एवं सिनियर सिटीजन मतदाता को चुनाव में सहभागी तथा मतदान प्रक्रिया को सुलभ बनाने के संबंध में आवश्यक निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, हरदा श्री अशोक कुमार डेहरिया ने जिले में एसआईआर से संबंधित निर्देशों एवं तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी तथा इस हेतु जिला स्तरीय मास्टर टेऊनर द्वारा एसआईआर के दौरान मतदाताओं के सत्यापन की प्रक्रिया के संबंध में बताया गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने निर्देश दिये कि जिले के मतदाताओं विशेषकर पीडब्यूडी एवं सिनियर सिटीजन मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया एवं निर्देशों के संबंध में जागरूक किया जाए, इस हेतु शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, म.प्र. जन अभियान परिषद, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग, प्राचार्य पीएम श्री शासकीय महाविद्यालय हरदा, स्वास्थ्य विभाग अपनी-अपनी विभागीय कार्ययोजना तथा गतिविधियों का कैलेण्डर एक सप्ताह में प्रस्तुत करेंगे। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मतदान केन्द्रवार पीडब्ल्यूडी एवं सिनियर सिटीजन मतदाताओं की जानकारी तथा एएमएफ की जानकारी आगामी बैठक में प्रस्तुत करेंगे । बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हरदा डॉ. एच.पी. सिंह, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र हरदा श्री बलवन्त सिंह पटेल, प्राचार्य पीएम श्री शासकीय महाविद्यालय श्रीमती संगीता विले, उपसचालक सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग श्री कमलेश सिंह, जिला समन्वयक म.प्र. जन अभियान परिषद श्री संदीप गौहर, श्री राज रंगारे, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग हरदा भी उपस्थित थे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित, बेहतर जल प्रबंधन के संबंध में कलेक्टर ने दिये निर्देश

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जल उपयोगिता समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और जल संरक्षण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, जल संसाधन विभाग के अभियंता और जल उपभोक्ता समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि नहर के अंतिम छोर के किसान के खेत तक पानी पहुंचाना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल वितरण इस प्रकार किया जाए कि हर किसान के खेत

नहर के अंतिम छोर के किसान के खेत तक पहुंचें पानी

तक सिंचाई का पानी समान रूप से पहुंचे और कोई क्षेत्र असिंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जल वितरण व्यवस्था पारदर्शी, नियंत्रित और समयबद्ध होनी चाहिए, ताकि किसानों को फसल उत्पादन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिले में पेयजल के लिए पानी का प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में किया जाए। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जल स्त्रोतों की नियमित निगरानी, मरम्मत एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिले कें किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति न बने। कलेक्टर ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे खेती के लिये पानी का संतुलित उपयोग करें और जल संरक्षण के प्रयास भी करें।

वर्ष 2025-26 में जलाशयों में उपलब्ध जल भण्डारण क्षमता पर चर्चा : बैठक में जानकारी दी गई कि सीहोर जिले में जल संसाधन संभाग सीहोर के अधीन 04 मध्यम परियोजना (दोराहा विकासखंड सीहोर, रामपुरा खुर्द विकासखण्ड आष्टा, बनेटा मध्यम उद्वहन सिंचाई योजना विकासखण्ड बुधनी एवं घोघरा परियोजना विकासखंड भैरूंदा), 66 लघु सिंचाई तालाब, 10 लघु उद्वहन सिंचाई योजना, 01 नहर तथा 223 स्टापडेम/बैराज निर्मित हैं। इस प्रकार जिले में कुल 289 सिंचाई योजनायें निर्मित हैं, जिनकी कुल उपयोगी जल भण्डारण क्षमता 230.11 मि.घ.मी. है। इसमे से 13 अक्टूबर 2025 की स्थिति में 206.19 मि.घ.मी. जल संग्रहण हुआ है, जो कि 89.60 प्रतिशत है।

वर्ष 2025-26 में रबी फसल के सिंचाई लक्ष्यों का निर्धारण पर अनुमोदनः बैठक में जानकारी दी गई कि सीहोर जिले में 03 मध्यम परियोजना, 01 मध्यम उद्वहन सिंचाई योजना, 66 लघु सिंचाई तालाब, 10 लघु उद्वहन सिंचाई योजना, 01 नहर तथा 223 बैराजों से सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है। इस प्रकार कुल 289 सिंचाई योजनाओं से सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है। इन योजनाओं का सी.सी.ए. का क्षेत्र 51,716 हेक्टेयर है। जिसके विरूद्ध जल वाष्पीकरण एवं पेयजल हेतु जल मात्रा के आरक्षण आदि को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2025-26 में जिला सीहोर के अंतर्गत कुल 51,384 हेक्टेयर सिंचाई लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भोपाल। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर शाम 7.30 बजे क्लिक किया गया पूर्ण चंद्रमा (सुपरमून) का दुर्लभ फोटो जिसे वरिष्ठ छायाकार जगदीश कौशल ने वनप्लस 13 मोबाइल के टैली लेंस द्वारा क्लिक किया है।

भोपाल के सेंट्रल जेल परिसर में युवक ने लगाई फांसी

- **पिता बोले- विवाद से बचने के लिए गांव से भेजा था, बेटे की हत्या करने चाहते थे पड़ोसी**

भोपाल (नप्र)। भोपाल की सेंट्रल जेल परिसर में स्थित जेल कॉलोनी में मंगलवार दोपहर जेल प्रहरी के भतीजे ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बुधवार को पीएम के बाद बॉडी को परिजनों के हवाले कर दिया गया। पीएम हाउस पहुंचे परिजनों ने युवक खुदकुशी के बाद गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि गांव में रहने वाले पड़ोसियों से पिछले दिनों भैंस को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात से नाराज पड़ोसी पिता-पुत्र ने बेटे को जान से मारने की धमकी दी थी। गांधी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अभिषेक ओझा पिता जगदीश ओझा (22) सांगरोज गांव जिला मौरेना का रहने वाला था। दो दिन पहले ही अपने जेल प्रहरी चाचा बृजेश कुमार ओझा के घर पर आया हुआ था। सुबह चाचा अपनी ड्यूटी पर चले गए, तभी उसने पंखे पर फांसी का फंदा बनाकर उस पर झूल गया।

ड्यूटी से लौटे चाचा ने देखा था शव

जब चाचा ड्यूटी से अपने घर लौटे तो देखा कि वह फंदे पर झूल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

पिता बोले- मामूली विवाद पर जान लेने को आमादा थे पड़ोसी- अभिषेक के पिता जगदीश ने बताया कि बेटा बीएससी फाइन कर चुका था। फौज में जाने की तैयारी कर रहा था। गांव में पड़ोस में ही पूरन और राहुल नाम के पिता-पुत्र रहते हैं। राहुल को चार दिन पहले हमारी भैंस ने मामूली रूप से घायल कर दिया था। इस बात को लेकर राहुल अपने पिता पूरन के साथ घर आया था। दोनों बंदूक और कट्टे से लैस थे। आरोपियों ने घर के बाहर जमकर गालियां दीं, जिसका बेटे अभिषेक ने विरोध किया। इस पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी।

हमें जानकारी मिली कि पिता-पुत्र बेटे को घेरकर मारने की प्लानिंग कर रहे हैं। बेटे का करियर खराब न हो और वाद-विवाद से दूर रहे, इस कारण उसे भोपाल भेज दिया।लेकिन, घटना के बाद से वह खौफजदा था। इसी तनाव में उसने सुसाइड कर लिया। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए। अभिषेक मेरा इकलौता बेटा था, पुलिस न्याय दिलाना चाहती है आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करे।

कुख्यात अपराधी ने फर्जी एफडी लगाकर जमानत ली

डीसीपी कार्यालय में पेश किए थे जाली दस्तावेज, तीन के खिलाफ केस दर्ज

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कुख्यात अपराधी गोपाल पाटिल ने बड़ा फर्जीवाड़ा किया है। उसने एक केस में जमानत लेने डीसीपी जोन-2 के कार्यालय में फर्जी एफडी पेश की। इस फर्जी एफडी पर उसे जमानत दे दी गई। बैंक से मिली सूचना के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। गोपाल और उसके दो साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। एएसआई मनोज शर्मा के मुताबिक डीसीपी जोन-2 कार्यालय में धारा 122 के तहत हिस्ट्रीशीटर बदमाश गोपाल पाटिल के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस मामले में मो सलीम नामक व्यक्ति ने डेढ़ लाख रुपए की एफडी डीसीपी कोर्ट में पेश की थी। साथ ही दो अन्य लोगों की जमानत भी इसी एफडी के आधार पर करवाई गई थी। यह एफडी स्टेट बैंक इंडिया की थी, इसलिए पुलिस ने उसे सत्यापन कराने के लिए बैंक को भेजी थी। जहां से पता चला कि उक्त एफडी फर्जी हैं। इस खुलासे के बाद पुलिस ने मो सलीम के खिलाफ केस दर्ज किया।

ग्वालियर के युवक ने तैयार की थी फर्जी एफडी- इसके बाद पुलिस ने सलीम को भी हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी सलीम ने बताया कि उसने यह एफडी ग्वालियर के रहने वाले रियाज नाम के व्यक्ति से बनवाई थी। अब पुलिस रियाज की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है उसे भी जल्द ही पकड़ लिया

शिवराज ने अवैध शराब बिक्री पर दी सख्त चेतावनी

सीहोर में सांसद खेल महोत्सव में प्रशासन को निर्देश, युवाओं को समझाया खेलों का महत्व

सीहोर (नप्र)। सीहोर जिले की इछावर तहसील के धामंदा गांव में सांसद खेल महोत्सव के तहत कई खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा उपस्थित रहे। गांव के बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चम्मच दौड़, कबड्डी, रस्सी कूद और अन्य पारंपरिक खेलों में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

शहीद जितेंद्र वर्मा को दी श्रद्धांजलि- कार्यक्रम की शुरुआत से पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गांव के शहीद जितेंद्र वर्मा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके परिवार के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश की सेवा में शहीद हुए वीर सपूतों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने सांसद खेल महोत्सव की प्रतियोगिताओं में शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

शिवराज बोले- पढ़ाई जितनी जरूरी, उतनी ही जरूरी खेलकूद

शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर बच्चों के साथ झाड़ू लगाकर स्कूल परिसर की सफाई की। उन्होंने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा कि पढ़ाई जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी खेलकूद भी है। खेल मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखते हैं। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलने का भी पूरा अवसर दें। उन्होंने कहा, ये बच्चे फूल हैं, इन्हें खिलने दो, मुस्कुराने दो और आगे बढ़ने दो।

शराबबंदी को लेकर सख्त निर्देश

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि गांव में किसी भी कीमत पर अवैध शराब की बिक्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए नशा मुक्ति बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से हाथ जोड़कर कहा, शराब मत पियो, इससे शरीर खराब होता है और जीवन बर्बाद हो जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा ने की सौजन्य भेंट

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारने के लिए दिया आमंत्रण पत्र

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता श्री आशुतोष राणा ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान अभिनेता श्री राणा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कटनी जिले में 9 से 13 नवम्बर 2025 तक आयोजित होने वाले पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अभिनेता श्री राणा ने बताया कि इस महोत्सव के अंतर्गत असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण, महारुद्राभिषेक और अमृतमयी कथा जैसे पवित्र धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। अभिनेता श्री राणा ने मुख्यमंत्री को आमंत्रण पत्र भेंट करते हुए उन्हें सपरिवार इस पुण्य अवसर पर पधारने के लिए आत्मीय निमंत्रण दिया।

राज्यपाल पटेल को म.प्र. लोक सेवा आयोग का 68वां वार्षिक प्रतिवेदन किया भेंट

म.प्र. लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों ने राजभवन में की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेशलाल मेहरा, सदस्य डॉ. नरेन्द्र कोष्ठी, सचिव श्रीमती राखी सहाय और परीक्षा नियंत्रक डॉ. वी. के. गुप्ता ने राजभवन में सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल श्री पटेल को आयोग का 68वां वार्षिक प्रतिवेदन भेंट किया।

राज्यपाल श्री पटेल को आयोग के अध्यक्ष डॉ. मेहरा ने बताया कि आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के लिए 5 हजार 581 पदों हेतु 71 विज्ञापन जारी किये गये। आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा एवं राज्य वन सेवा परीक्षा

2023, 2024 और 2025 की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा का आयोजन किया गया। आयोग द्वारा द्विस्तरीय परीक्षाओं और राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन भी किया गया। लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 में विभिन्न विभागों के पदों के लिए 6 हजार 260 अभ्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया। कुल 1 हजार 479 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन कर शासन को अनुशंसा भेजी गई।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. मेहरा ने बताया कि आयोग द्वारा उत्तरोत्तर गुणवत्ता संवर्धन और अभ्यर्थियों को आयोग की विभिन्न गतिविधियों की उपयोगी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से नवाचार के क्रम में ई-न्यूज लेटर 'संवदिया' का प्रकाशन किया गया।

विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के गोपनीय कार्यों के लिए विषय विशेषज्ञ आमंत्रित करने 'विषय विशेषज्ञ पोर्टल' प्रारंभ किया गया है। इसी प्रकार राज्य सेवा मुख्य परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैनिंग कर ऑनस्क्रीन मार्किंग के माध्यम से मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर साइकिल रैली

छिंदवाड़ा से नागपुर तक निकली यात्रा, भारत माता की जय के नारों से गूंजा शहर

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में संघ के महाविद्यालय कार्य विभाग छिंदवाड़ा की ओर से एक साहसिक साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा छिंदवाड़ा से नागपुर तक निकाली गई, जिसमें कुल 127 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

बरारीपुरा स्थित संघ कार्यालय से यात्रा का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर क्रीड़ा भारती प्रमुख कौशलेन्द्र जी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए संघ के 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा और अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। यात्रा माधव स्मृति न्यास (संघ कार्यालय) से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों पांडे नर्सिंग होम, राजपाल चौक, पुराना छापाखाना, लक्ष्मी साइकिल स्टोर, राम मंदिर, गणेश चौक, छोटा तालाब, तिलक मार्केट, पवार टी हाउस, यातायात चौक, मानसरोवर बस स्टैंड, फव्वारा चौक, अनगढ़ हनुमान मंदिर, शिवाजी चौक, नागपुर नाका, चंदन गांव, इमलीखेड़ा, लिंगा, उमरानाला, मसाला पार्क, बंजारी माता, रामाकोना, सौसर और बोरगांव होते हुए आगे बढ़ेगी। हर स्थान पर यात्रा का फूलों की वर्षा, आतिशबाजी और भारत माता की जय के नारों के साथ उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। पहले दिन का भोजन मसाला पार्क में और रात्रि विश्राम बोरगांव में होगा।

भिंड के व्यापारी ने ओएलएक्स पर कार रजिस्टर की

- **इंटरस्टेट तस्करों ने फर्जी नंबर प्लेट बनाकर ड्रग सप्लाई की, 4 जिलों की पुलिस तलाश में जुटी**

भिंड (नप्र)। भिंड पुलिस की साइबर टीम और फील्ड पुलिस ने मंगलवार को एक इंटरस्टेट ड्रग तस्करी गिरोह की बड़ी साजिश का खुलासा किया। यह गैंग मुंबई से मादक पदार्थों की तस्करी के लिए भिंड के एक व्यापारी की हैरियर कार का फर्जी नंबर प्लेट और फास्टैग इस्तेमाल कर रही थी। सूचना पर सोमवार-मंगलवार रात पुलिस ने इंदौर, देवास, उज्जैन और धार में नाकेबंदी की, लेकिन तस्कर तेज रफ्तार में बैरिकेड्स तोड़कर भाग निकले। देर रात धार पुलिस ने कार को जब्त कर लिया, हालांकि आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

व्यापारी को एक्सीडेंट के फोन से शुरू हुई जांच

भिंड के गोहद चौराहा निवासी व्यापारी हनुमंत सिंह तोमर को रविवार को धार सिटी कोतवाली प्रभारी का फोन आया। उन्हें बताया गया कि उनकी हैरियर कार एक हादसे में शामिल हुई है। इस पर व्यापारी ने पुलिस को बताया कि उनकी कार तो घर के गैराज में खड़ी है और वहां सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं। बावजूद इसके, पुलिस अधिकारी उन्हें थाने बुलाने पर अड़े रहे।

व्यापारी ने भिंड एसपी से की शिकायत, साइबर टीम लगी

परेशान होकर व्यापारी ने भिंड एसपी डॉ. असित यादव से मुलाकात की और पूरा घटनाक्रम बताया। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल प्रभारी वैभव तोमर और एएसआई सत्यवीर सिंह की टीम को जांच के निर्देश दिए। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि किसी चोरी की हैरियर कार में व्यापारी की गाड़ी का फर्जी नंबर प्लेट लगाकर मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही थी।

एसपी बोले- निर्दोष व्यापारी फंसने से बचा

भिंड एसपी डॉ. असित यादव ने बताया कि साइबर टीम और फील्ड पुलिस के बीच बेहतर समन्वय से एक निर्दोष व्यापारी झूठे मामले में फंसने से बच गया। उन्होंने कहा कि यह मामला दिखाता है कि पुलिस की समय पर की गई कार्रवाई अपराध रोकने में कितनी प्रभावी है। फिलहाल पुलिस इस इंटरस्टेट गिरोह के सदस्यों की तलाश मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में कर रही है।

- **फास्टैग की जांच से मिली तस्करों की लोकेशन-** भिंड साइबर टीम ने जब कार के फास्टैग की जांच की तो इंदौर टोल प्लाजा से फास्टैग कटने के सबूत मिले। सूचना मिलते ही इंदौर पुलिस को अलर्ट किया गया। मंगलवार देर रात पता चला कि कार महाराष्ट्र से इंदौर की ओर बढ़ रही है। इंदौर पुलिस ने घेराबंदी की, लेकिन तस्कर कार की स्पीड 180 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ाकर धार जिले की सीमा में घुस गए।

रुखसार बनी वंशिका, हिंदू युवक से की शादी

बोली- सनातन धर्म में सम्मान, बचपन से बिंदी लगाती हूं, मां इसका विरोध करती थी

खंडवा (नप्र)। धार की रुखसार ने हिंदू युवक से लव मैरिज की और सनातन धर्म अपना लिया। रुखसार ने अपना नाम बदलकर वंशिका रख लिया है। साथ ही श्री रामचरितमानस को अपने जीवन में धारण करने और उसके अनुसार जीने का भी संकल्प लिया है।

धार के धरमपुरी की रहने वाली वंशिका ने मंगलवार को खंडवा के उंडेल गांव निवासी विशाल राजपूत से महादेवगढ़ मंदिर में वैदिक रीति-रिवाज से शादी की। वंशिका ने बताया, सनातन धर्म में मेरी रुचि बचपन से ही थी। घर में बिंदी लगाती और साड़ी पहनती थी। नवरात्रि में माता जी के दर्शन करने भी जाती थी।

27 नवंबर को होना था निकाह- 27 नवंबर को जब वंशिका के घरवालों ने सनातन धर्म उसकी बढ़ती रुचि को देखकर निकाह तय कर दिया। वंशिका ने बताया, मैंने निकाह करने से साफ इनकार कर दिया था। मुझे हिंदू धर्म में शादी करना थी, इस धर्म और जाति के लोग महिला का

सम्मान करते हैं, उसे देवी मानते हैं। जब परिवार वाले नहीं माने तो सोशल मीडिया दोस्त विशाल राजपूत (खंडवा) से शादी करने का फैसला किया। मैंने बिना किसी डर और दबाव के सनातन धर्म अपनाया है। अब पति के साथ रहूंगी, उनके परिवार को मुझसे कोई परेशानी नहीं है।

विशाल का परिवार खेती-किसानी करता है। विशाल भी किसान है। उसका कहना है, मैंने रुखसार से शादी की है। उसने शादी के लिए सनातन धर्म अपनाया है।

हरिहर मिलन दिवस पर संपन्न हुआ विवाह

वंशिका और विशाल का विवाह हरिहर मिलन दिवस के अवसर पर महादेवगढ़ में संपन्न हुआ। शादी में हिंदूवादी नेता अशोक पालीवाल शामिल हुए। पालीवाल का कहना है कि इस्लाम में पहले तलवार की नोंक पर धर्मांतरण होते थे, लेकिन हमारे यहां ऐसा नहीं होता है। लड़की ने खुद इच्छा जाहिर की और हिंदू लड़के से विवाह किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी प्रदेशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परम पिता परमेश्वर से सबके जीवन में सौभाग्य, सकारात्मकता, आरोग्यता की प्रार्थना करते हुए कहा है कि प्रदेश में समृद्धि के दिव्य दीप सदा जलते रहें।